website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 226 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 25 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी और यूके के पीएम स्टार्मर ने भारतीय और ब्रिटिश व्यापारिक नेताओं से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ऐतिहासिक भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते [CETA] पर हस्ताक्षर के बाद गुरुवार को भारत और यूके के व्यापारिक नेताओं के साथ मुलाकात की। बैठक में स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स, रत्न एवं आभूषण, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा, विनिर्माण, दूरसंचार, प्रौद्योगिकी, आईटी, लॉजिस्टिक्स, कपड़ा और वित्तीय सेवा क्षेत्रों के दोनों पक्षों के प्रमुख उद्योगपति उपस्थित थे। ये सेक्टर्स दोनों देशों में रोजगार सृजन और समावेशी आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने हाल के वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों में हुए विस्तार पर ध्यान दिया। वहीं, व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत करते हुए, उन्होंने उन्हें व्यापार, निवेश और नवाचार साझेदारी को गहरा करने के लिए सीईटीए से मिलने वाले अवसरों की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।उन्नत द्विपक्षीय सहयोग के माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए उन्होंने कहा कि नया समझौता दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापारिक भावना और वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को बढ़ावा देगा।

प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टारमर ने लंदन में 'बिजनेस शोकेस' प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। प्रदर्शनियों में रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, गुणवत्तापूर्ण उपभोक्ता उत्पाद और उन्नत तकनीकी समाधान शामिल थे।

भारत-ब्रिटेन के व्यापारिक नेताओं ने ऐतिहासिक व्यापार समझौते की सराहना की और आशा व्यक्त की कि यह व्यापक रणनीतिक साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत करेगा और न केवल व्यापार और अर्थव्यवस्था में, बल्कि उभरती प्रौद्योगिकियों, शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान और स्वास्थ्य क्षेत्रों में भी सहयोग को गहरा करेगा।

इस दौरान, दोनों नेताओं ने नये समझौते की क्षमता का दोहन करने तथा आने वाले वर्षों में आर्थिक सहयोग के बंधन को और गहरा करने के लिए छोटे और बड़े व्यवसायों को समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस: महाराष्ट्र सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने की सुनवाई

मुंबई (एजेंसी)। 2006 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट में 12 दोषियों को बरी किए जाने के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दिए जाने वाली महाराष्ट्र सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई की।

जिन 12 दोषियों को बरी किया गया उन्हें मकोका कोर्ट से सुनाई जा चुकी थी सजा

जिन 12 दोषियों को बरी किया गया है, उनमें से पांच को मकोका (MCOCA) कोर्ट ने फांसी की सजा दी थी जबकि सात को उम्र कैद की सजा सुनाई थी।

बॉम्बे हाइकोर्ट ने सभी दोषियों को बरी करते हुए कही थी यह बात

बॉम्बे हाइकोर्ट ने सभी दोषियों को बरी करते हुए कहा था कि अभियोजन पक्ष इस केस में आरोप को साबित करने में नाकाम रहा है। ज्ञात हो, वर्ष 2006 में मुंबई में सिलसिलेवार ट्रेन ब्लास्ट में 187 लोग मारे गए थे जबकि 800 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

'वोक एआई' पर ट्रंप की सख्ती, कार्यकारी आदेश से लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सरकारी एजेंसियों में वोक (डब्ल्यूओकेई) एआई के उपयोग पर रोक लगाने का एक कड़ा एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी कर दिया है। अपने आदेश में ट्रंप ने आरोप लगाया है कि ऐसे एआई से फैक्ट्स प्रभावित होते हैं। ट्रंप ने अपने आदेश में कहा, कई एआई सिस्टम्स विविधिता, समानता, समावेशन (डाइवर्सिटी, इक्विटी, इंक्लूजन यानी डीईआई) जैसे वैचारिक एजेंडों से प्रभावित हैं, जिससे इतिहास, विज्ञान और तथ्यों की विश्वसनीयता पर आंच आती है।"

आदेश में कई अहम बातें कही गई हैं, जैसे कि एआई को वैचारिक रूप से तटस्थ बनाना जरूरी होगा

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अब से एजेंसियां केवल उन्हीं लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स (एलएलएम) को खरीद सकेंगी जो सत्य और वैचारिक तटस्थता के दो सिद्धांतों का गंभीरता से पालन करेंगे। इस आदेश में कई अहम बातें कही गई हैं, जैसे कि एआई को वैचारिक रूप से तटस्थ बनाना जरूरी होगा। ट्रंप प्रशासन के मुताबिक, एआई मॉडल्स को सिर्फ सच्चाई और फैक्ट्स के आधार पर जवाब देने चाहिए। उन्हें किसी विचारधारा, जैसे डीईआई, को तवज्जो नहीं देनी चाहिए। इसके साथ ही इसमें लिखा गया है कि एलएलएम विक्रेताओं को ये सुनिश्चित करना होगा कि मॉडल किसी एक पक्ष से प्रभावित न हो, वरना उनका अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा।

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका दुनिया का उन्नत एआई ढांचा तैयार करेगा

इसके साथ ही ट्रंप ने ये भी दावा किया कि उनका देश दुनिया का उन्नत एआई ढांचा तैयार करेगा। उन्होंने कहा, " मेरा प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव साधन का उपयोग करेगा कि संयुक्त राज्य अमेरिका पृथ्वी पर कहीं भी सबसे बड़ा, सबसे शक्तिशाली और सबसे उन्नत एआई बुनियादी ढांचे का निर्माण और रखरखाव कर सके।"

'वोक' एक सकारात्मक शब्द है, जो सामाजिक अन्याय और भेदभाव के प्रति जागरूकता को दर्शाता है

वोक शब्द मूल रूप से एक सकारात्मक सामाजिक शब्द था, जिसका मतलब- सामाजिक अन्याय, नस्लवाद, लैंगिक भेदभाव, अलगाववाद जैसे मुद्दों के प्रति लोगों को जागरूक करना है, लेकिन हाल के वर्षों में इसका अर्थ और इस्तेमाल बदल चुका है। ये शब्द इन दिनों खुद को पोलिटिकली करेक्ट साबित करने की कोशिश के तहत किया जाता है।

पीएम मोदी के ब्रिटेन दौरे से प्रवासी भारतीयों में उत्साह

-लॉर्ड रामी रेंजर ने की पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्रिटेन दौरे से वहां के प्रवासी भारतीय उत्साहित हैं। इन्हीं में से एक ब्रिटिश भारतीय व्यवसायी लॉर्ड रामी रेंजर ने बुधवार को पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने 'फ्री ट्रेड एग्रीमेंट' (एफटीए) पर संभावित हस्ताक्षर को बड़ी घटना और दोनों देशों के लिए 'जीत की स्थिति' करार दिया।

पीएम मोदी के दो दिवसीय दौरे से ठीक पहले न्यूज़ एजेंसी से विशेष बातचीत में, ब्रिटेन के उच्च सदन के भारतीय मूल के सदस्य (पीयर) रेंजर ने पिछले एक दशक में भारत में हुए विकास की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत के साथ सहयोग करने के बाद ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में भी उछाल आएगा। 78 वर्षीय रेंजर ने कहा, "यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन होगा क्योंकि प्रधानमंत्री उस देश के साथ एक 'फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करेंगे। यह एक बड़ी उपलब्धि है और यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का परिणाम है। हम पिछले 10 वर्षों में भारत में 'मेक इन इंडिया' पहल जैसा विकास देख रहे हैं। 'फ्री ट्रेड एग्रीमेंट' के साथ-साथ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर भी होगा। यह कई देशों के लिए फायदेमंद है। भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ जुड़ने के बाद ब्रिटिश अर्थव्यवस्था भी तेजी से बढ़ेगी। पूरी दुनिया को इसका लाभ मिलेगा।"

उन्होंने कहा कि 'फ्री ट्रेड एग्रीमेंट' दोनों देशों के बाजारों में स्थिरता लाएगा और दोनों पक्षों के व्यापारियों को मदद करेगा।

पीएम मोदी अपने ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टार्मर के निमंत्रण पर यूनाइटेड किंगडम की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद से यह पीएम मोदी की ब्रिटेन की चौथी यात्रा होगी। इस यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी स्टार्मर से मिलेंगे और राजा चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करेंगे।

मई में, प्रधानमंत्री मोदी और स्टार्मर ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-ब्रिटेन 'फ्री ट्रेड एग्रीमेंट' (एफटीए) के सफल समापन की घोषणा की। इस समझौते से 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार दोगुना होकर 120 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि इस समझौते के तहत, ब्रिटेन को 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क का लाभ प्राप्त होगा।

वहीं, फ्रेंड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी इंटरनेशनल (एफआईएसआई) ब्रिटेन के जयु शाह ने कहा, "हम ब्रिटेन में प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत करेंगे। व्यापार समझौते पर बातचीत 20 वर्षों से चल रही थी। अब, प्रधानमंत्री मोदी इस समझौते पर पहुंचने में कामयाब रहे हैं और दोनों देश इस पर हस्ताक्षर करेंगे। भारत 'विश्व गुरु' है, एक महाशक्ति है और सभी देशों को इसकी आवश्यकता है।"

बांग्लादेश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एबीएम खैरुल हक ढाका में गिरफ्तार

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एबीएम खैरुल हक को उनके धनमंडी स्थित घर से गुरुवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा (डीबी) ने ये गिरफ्तारी की है। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' के मुताबिक डीबी के संयुक्त आयुक्त मोहम्मद नसीरुल इस्लाम के अनुसार एबीएम खैरुल हक के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। पूछताछ के लिए उन्हें मिंटो रोड स्थित डीबी मुख्यालय ले जाया गया। फिलहाल गिरफ्तारी के बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है।

खैरुल हक ने 2010 में पदभार ग्रहण करते हुए देश के 19वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया था

खैरुल हक ने 2010 में पदभार ग्रहण करते हुए देश के 19वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। अनिवार्य सेवानिवृत्ति आयु 67 वर्ष होने पर एबीएम खैरुल हक पिछले वर्ष सेवानिवृत्त हो गए। हक को साल 2013 में तीन साल के कार्यकाल के लिए लॉ कमीशन का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें कई बार इस पद पर पुनः नियुक्त किया गया।

खैरुल हक पर न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाने का आरोप है

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष अप्रैल के अंत में, बीएनपी समर्थक वकीलों के एक मंच, बांग्लादेश जातीयतावादी ऐनजीबी फोरम (बीजेएएफ) ने पूर्व एबीएम खैरुल हक की गिरफ्तारी और मुकदमे की मांग की थी। बीएसएस न्यूज एजेंसी के अनुसार, उन पर देश की न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाने का आरोप है।

एडवोकेट जैनुल आबेदीन ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने न्यायपालिका के समर्थन से एक फासीवादी शासन स्थापित किया था

बीजेएएफ के अध्यक्ष एडवोकेट जैनुल आबेदीन ने एक लिखित बयान में दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने न्यायपालिका के सीधे समर्थन से एक फासीवादी शासन स्थापित किया था। अगर न्यायपालिका ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को पूरा किया होता, तो लोकतंत्र को नष्ट नहीं किया जा सकता था।

एडवोकेट जैनुल आबेदीन ने न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे के पतन के लिए खैरुल हक को मुख्य जिम्मेदार ठहराया

एडवोकेट जैनुल आबेदीन ने खैरुल हक को न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक शासन के पतन का मुख्य जिम्मेदार बताते हुए कहा, इतनी बड़ी तबाही के केंद्र में रहने के बावजूद, न तो उन्हें गिरफ्तार किया गया और न ही उन पर कोई कानूनी कार्रवाई हुई। इसके बावजूद, उन्हें जवाबदेह ठहराना बांग्लादेश की जनता की एक प्रमुख मांग बनी हुई है।"

भारत-ब्रिटेन CETA : भारतीय मछुआरों की वैश्विक बाजारों तक बढ़ेगी पहुंच

- समुद्री उत्पादों की निर्यात को बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)।भारत और यूनाइटेड किंगडम (UK) के बीच सम्पन्न व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (Comprehensive Economic and Trade Agreement – CETA) भारतीय मछली पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित होने जा रहा है। यह ऐतिहासिक समझौता पीएम मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के बीच आज गुरुवार को लंदन में हुआ। गौरतलब है कि भारत दुनिया के कुल मछली उत्पादन में 7.96% का योगदान देता है और यह क्षेत्र लगभग 2.8 करोड़ लोगों की आजीविका का आधार है। ऐसे में यह समझौता मछुआरों के लिए नया अवसर लेकर आने की संभावना है।

इस समझौते के तहत भारत को ब्रिटेन के 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मत्स्य बाजार तक प्राथमिकता के साथ पहुंच मिलेगी और टैरिफ (आयात शुल्क) समाप्त कर दिए जाएंगे। इससे खास तौर पर उन भारतीय निर्यातकों को लाभ मिलेगा जो झींगा (श्रिंप) और अन्य सीफूड उत्पाद ब्रिटेन भेजते हैं, जहां इनकी मांग काफी अधिक है।

CETA के जरिए भारत से मछली और समुद्री उत्पादों के निर्यात में तेजी आएगी, जिससे सीधे तौर पर आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे समुद्री राज्यों के मछुआरों को लाभ होगा। इन राज्यों के लाखों मछुआरों को न सिर्फ बेहतर कीमत मिलेगी, बल्कि उनकी आजीविका भी अधिक स्थिर और समृद्ध होगी। यह समझौता भारत के मछली निर्यात को मजबूती, तटीय क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावाऔर भारतीय मत्स्य उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता को बढ़ाएगा।

पासपोर्ट की नई रैंकिंग में भारत ने लगाई 8 अंकों की बड़ी छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर के देशों के पासपोर्ट की नई रैंकिंग सामने आ गई है। पासपोर्ट इंडेक्स में भारत ने बड़ी छलांग लगाई है, जबकि पाकिस्तान का पासपोर्ट सबसे कमजोर पासपोर्ट्स में शामिल है।

भारत छह महीने में आठ स्थान की छलांग लगाकर पहुंचा इस स्थान पर

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 के अनुसार, दुनिया के पासपोर्ट्स की रैंकिंग में सिंगापुर शीर्ष पर है, जबकि जापान और दक्षिण कोरिया दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा, भारत और यूएई जैसे देशों ने पासपोर्ट रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। भारत छह महीने में आठ स्थान की छलांग लगाकर 85वें से 77वें स्थान पर पहुंच गया है।

पाकिस्तान का पासपोर्ट दुनिया में सबसे कमजोर

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 के अनुसार, पाकिस्तान का पासपोर्ट दुनिया में सबसे कमजोर पासपोर्ट्स में से एक है, जो केवल 32 देशों में वीजा-मुक्त यात्रा की सुविधा देता है। पाकिस्तान 96वें स्थान पर है, जो सोमालिया, यमन, इराक, सीरिया और अफगानिस्तान जैसे युद्धग्रस्त देशों से बेहतर है। पिछले साल 2024 में, पाकिस्तान का पासपोर्ट यमन के साथ चौथा सबसे कमजोर था।

सिंगापुर पहले स्थान पर

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स के मुताबिक, पासपोर्ट रैंकिंग में सिंगापुर पहले स्थान पर है, जबकि जापान और दक्षिण कोरिया दूसरे स्थान पर हैं।

इसके बाद सात यूरोपीय देश- डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली और स्पेन आते हैं, जो तीसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल और स्वीडन चौथे स्थान पर हैं, जबकि न्यूजीलैंड, ग्रीस और स्विट्जरलैंड पांचवें स्थान पर हैं।

ब्रिटेन और अमेरिका की रैंकिंग में आई गिरावट

साथ ही ब्रिटेन और अमेरिका की रैंकिंग में गिरावट आई है। दोनों एक-एक स्थान नीचे खिसक गए हैं। ब्रिटेन और अमेरिका पासपोर्ट रैंकिंग में गिरकर क्रमशः 6ठे और 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। 2015 और 2014 में वे दोनों सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट थे।

सऊदी अरब ने वीजा-मुक्त पहुंच में सबसे बड़ी बढ़त हासिल की

इसके अलावा, सऊदी अरब ने वीजा-मुक्त पहुंच में सबसे बड़ी बढ़त हासिल की है। संयुक्त अरब अमीरात ने 10 साल में 34 स्थान की छलांग लगाई, 42वें से 8वें स्थान पर पहुंचकर टॉप 10 में शामिल हुआ है। साथ ही चीन भी 2015 से 34 स्थान ऊपर चढ़कर 94वें से 60वें स्थान पर पहुंचा। हालांकि, उसे यूरोप के शेंगेन क्षेत्र में वीजा-मुक्त प्रवेश नहीं मिला है। बता दें कि यह रैंकिंग 199 पासपोर्ट्स के वीजा-मुक्त गंतव्यों (227) के आधार पर तैयार की गई है।

बिहार: वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने का चुनाव आयोग ने एक महीने का दिया विशेष अवसर

बिहार (एजेंसी)। बिहार में चल रहे विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के पहले चरण का कार्य समाप्ति की ओर है। इस बीच, विपक्ष लगातार यह आरोप लगा रहा है कि सरकार वैध मतदाताओं के नाम सूची से हटा रही है। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा है कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटेगा।

1 अगस्त से 1 सितंबर तक, मतदाता या किसी भी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को यह अवसर दिया जाएगा कि वे बीएलओ या बीएलए द्वारा हुई किसी त्रुटि को सुधारने के लिए आवेदन दे सकें

इसी क्रम में भारत निर्वाचन आयोग ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए स्पष्ट किया है कि 1 अगस्त से 1 सितंबर तक, मतदाता या किसी भी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को यह अवसर दिया जाएगा कि वे बीएलओ या बीएलए द्वारा हुई किसी त्रुटि को सुधारने के लिए आवेदन दे सकें। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम छूट गया हो या किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम जोड़ दिया गया हो, तो उसकी जानकारी देकर सुधार कराया जा सकेगा। यह व्यवस्था एसआईआर आदेश के पृष्ठ 3, पैरा 7(5) के तहत लागू होगी। वोटर लिस्ट से वंचित लोगों के पास एक बार फिर से नाम जुड़वाने के लिए महीने का समय रहेगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 99 प्रतिशत मतदाता कवर किए जा चुके हैं

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 99 प्रतिशत मतदाता कवर किए जा चुके हैं। 20 लाख मृतक मतदाता, 28 लाख स्थायी प्रवासी मतदाता और 7 लाख से अधिक दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता चिन्हित किए गए हैं। करीब 1 लाख मतदाताओं का कोई पता नहीं चल पाया है। 15 लाख से अधिक मतदाताओं ने अभी तक फॉर्म नहीं भरा है। कुल 7.17 करोड़ मतदाताओं (90.89%) के फॉर्म प्राप्त होकर डिजिटाइज किए जा चुके हैं।

बता दें कि चुनाव आयोग का स्पष्ट संदेश है कि कोई भी योग्य मतदाता वंचित न रह जाए और कोई भी अयोग्य नाम सूची में न जुड़ पाए

एसआईआर के तहत, अब तक जो मतदाता या तो गलत तरीके से सूची में शामिल हैं या जिन्होंने अभी तक अपना फॉर्म नहीं भरा है, उनकी सूचियां 20 जुलाई को बिहार के 12 प्रमुख राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्षों द्वारा नामित 1.5 लाख बूथ लेवल एजेंट्स को सौंप दी गई हैं। इसका उद्देश्य पारदर्शिता बनाए रखते हुए सुधार प्रक्रिया में राजनीतिक सहभागिता को बढ़ाना है। बता दें कि चुनाव आयोग का स्पष्ट संदेश है कि कोई भी योग्य मतदाता वंचित न रह जाए और कोई भी अयोग्य नाम सूची में न जुड़ पाए। विपक्ष की आपत्तियों के बीच आयोग की पारदर्शी प्रक्रिया और तकनीकी सहायता बिहार में एक अधिक भरोसेमंद और सटीक मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में मजबूत कदम है।

I.N.D.I.A ब्लॉक का संसद में SIR के खिलाफ प्रदर्शन

-पोस्टर पर 'लोकतंत्र' गलत लिखा, BJP ने किया कटाक्ष

नई दिल्ली। I.N.D.I.A ब्लॉक के सांसदों ने गुरुवार को संसद में बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने एक पोस्टर पकड़ा हुआ था, जिस पर लिखा था- "SIR लोकतंत् र पर वार"...। भारतीय जनता पार्टी ने इस प्रदर्शन की तस्वीर अपने X हैंडल पर पोस्ट की है। साथ ही लिखा है- जिन्हें लोकतंत्र लिखना तक नहीं आता, वो लोकतंत्र का पाठ पढ़ाने निकले हैं। दरअसल, I.N.D.I.A ब्लॉक के पोस्टर में लोकतंत्र शब्द टूटा हुआ लिखा था। लोकतंत् र। इसलिए भारतीय जनता पार्टी ने इस पर तंज कसा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

बहुत प्राचीन है विद्रोही साहित्य : चुप्पी तोड़िए, बोलना ज़रूरी है

जब भी हम विद्रोह की बात करते हैं, तो हमें लगता है कि यह कोई नई चीज है, कोई नया आंदोलन है। लेकिन सच यह है कि विद्रोही साहित्य उतना ही पुराना है जितना इंसान का दुख, जितनी उसकी बेचैन आत्मा, जितनी उसकी स्वतंत्रता की प्यास। हजारों साल पहले भी जब शोषण और अन्याय हुआ, तब किसी न किसी ने अपनी चुप्पी तोड़ी, बोलने की हिम्मत की और अपनी आवाज को कागज पर उतार दिया। आज जब हम लगातार अन्याय और असमानता से घिरे हैं, तब भी हमें यह समझना होगा कि बोलना ज़रूरी है, चुप्पी तोड़नी ज़रूरी है। विद्रोही साहित्य का अर्थ सिर्फ सत्ता के खिलाफ खड़ा होना नहीं है, यह उस व्यवस्था के खिलाफ खड़ा होना है जो इंसान की आज़ादी, उसकी इज़्ज़त और उसकी ज़िंदगी छीनने की कोशिश करती है। चाहे कबीर की बानी हो, चाहे तुलसी की छंदों में छुपा व्यंग्य, चाहे फैज़ की नज़्में हों या फिर गोरख पांडेय की कविताएं, सभी ने अपने समय में इस चुप्पी को तोड़ने की कोशिश की। उन्होंने सवाल उठाए, जो लोग डर से सवाल नहीं पूछ पा रहे थे, उनके लिए उन्होंने सवाल पूछे। विद्रोही साहित्य इंसान के भीतर मौजूद उस आग की तरह है, जो उसे झूठ और अन्याय को स्वीकार करने से रोकती है। आज के दौर में भी जब सत्ता का भय, धर्म और जाति के नाम पर बंटवारा और आर्थिक असमानता गहराई से जड़ें जमा रही है, तब इस विद्रोही साहित्य की ज़रूरत और भी बढ़ जाती है। बहुत से लोग कहते हैं कि यह समय चुप रहने का है, कि बोलने से मुश्किलें बढ़ जाएंगी। लेकिन सच यह है कि चुप्पी सबसे बड़ा अपराध है, क्योंकि चुप्पी अन्याय को मजबूत करती है। बोलना ज़रूरी है क्योंकि चुप्पी अपराधी और शोषक को ताकत देती है। अगर हम चुप रहे तो वह दिन दूर नहीं जब इंसान की आज़ादी सिर्फ किताबों में बची रहेगी। विद्रोही साहित्य हमें यह एहसास कराता है कि इंसान होने का मतलब है सवाल करना। यह हमें अपने भीतर की इंसानियत से जोड़ता है। जब भी हम किसी शायर की नज़्म, किसी कवि की कविता या किसी लेखक की कहानी पढ़ते हैं, जिसमें उसने अपनी पीड़ा, क्रोध और विद्रोह को दर्ज किया होता है, तो हमें अपनी मजबूरी और डर से लड़ने की हिम्मत मिलती है। हमें यह महसूस होता है कि हम अकेले नहीं हैं। यह साहित्य हमें यह यकीन दिलाता है कि अगर अन्याय है, तो उसके खिलाफ खड़े होने वाले लोग भी हैं, और हमें भी खड़ा होना होगा। कई बार लोग कहते हैं कि साहित्य से क्या बदल जाएगा, यह सिर्फ किताबों तक सीमित है। लेकिन हकीकत यह है कि बदलाव की शुरुआत हमेशा विचारों से होती है, और विचारों को सबसे ताकतवर तरीके से साहित्य ही व्यक्त कर पाता है। यही कारण है कि सत्ता हमेशा विद्रोही साहित्य से डरती है। वह चाहती है कि लोग चुप रहें, सवाल न करें, किताबें न पढ़ें। इसलिए किताबें जलाई जाती हैं, लेखकों को जेल में डाला जाता है, कवियों की आवाज दबाने की कोशिश की जाती है। क्योंकि सत्ता जानती है कि अगर लोग पढ़ेंगे, समझेंगे और सवाल करेंगे, तो उनकी कुर्सी हिल जाएगी। चुप्पी को तोड़ना आसान नहीं होता। यह डर से लड़ने का नाम है।

क्रिप्टो व डिजिटल करेंसी नियमन की दिशा में ठोस कदम ज़रूरी, भारत के लिए भी हितकारी हो सकता है अमेरिका जैसा जीनियस एक्ट?

-क्यों अमेरिका जैसा मॉडल भारत के लिए फायदेमंद होगा?

पिछले दशक में क्रिप्टोकरेंसी ने वैश्विक आर्थिक चर्चाओं में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। बिटकॉइन, एथेरियम, टेथर जैसी डिजिटल मुद्राएँ अब केवल तकनीकी दुनिया की जिज्ञासा नहीं रहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, निवेश और मुद्रा बाजारों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। परंतु इनका अस्थिर स्वभाव, साइबर अपराध में उपयोग, और अनियमितता का खतरा भी उतना ही बड़ा है। ऐसे में नियमन की आवश्यकता और सख्त होती जा रही है। अमेरिका ने हाल ही में "जीनियस एक्ट" (Guarding Against Illicit and Non-transparent Sources of Cryptocurrency Act - GENIUS Act) की दिशा में जो कदम उठाए हैं, वे वैश्विक दृष्टि से क्रिप्टो नियमन के लिए एक दिशा-निर्देशक बन सकते हैं। भारत के लिए भी यह मॉडल कई मायनों में हितकारी साबित हो सकता है।

क्रिप्टोकरेंसी: विकास, विस्तार और विवाद

क्रिप्टोकरेंसी ने सीमाओं और सरकारी नियंत्रणों को चुनौती देते हुए स्वतंत्र वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया। ब्लॉकचेन आधारित यह तकनीक पारदर्शिता, सुरक्षित ट्रांजेक्शन और त्वरित भुगतान की सुविधा देती है। परंतु इसके साथ ही वित्तीय धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकी फंडिंग और टैक्स चोरी जैसी गतिविधियों में इसका उपयोग बढ़ा है। भारत में भी करोड़ों की क्रिप्टो धोखाधड़ी के कई मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में क्रिप्टोकरेंसी का नियमन केवल विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता बन चुकी है।

वैश्विक परिदृश्य में नियमन की दिशा

1 अमेरिका:

जीनियस एक्ट के माध्यम से अमेरिका ने मनी लॉन्ड्रिंग और गैर-कानूनी गतिविधियों पर रोक के लिए क्रिप्टोकरेंसी के लेनदेन की निगरानी की प्रणाली बनाने की शुरुआत की है। इसके तहत सभी एक्सचेंज, वॉलेट प्रोवाइडर और क्रिप्टो कंपनियों को KYC और AML (Anti-Money Laundering) नियमों का पालन अनिवार्य होगा।

2 यूरोप:

यूरोपियन यूनियन ने MiCA (Markets in Crypto-Assets Regulation) लागू कर डिजिटल करेंसी के लिए व्यापक नियामक ढांचा तैयार किया है। इसका उद्देश्य निवेशकों की सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है।

3 चीन:

चीन ने निजी क्रिप्टोकरेंसी पर लगभग पूर्ण प्रतिबंध लगाया और अपनी डिजिटल युआन (CBDC) विकसित कर रहा है।

4 सिंगापुर और दुबई:

सिंगापुर और दुबई ने नियंत्रित लाइसेंसिंग व्यवस्था के तहत क्रिप्टो को अपनाते हुए वैश्विक क्रिप्टो हब बनने की दिशा में कार्य किया है।

भारत में क्रिप्टो की स्थिति और **चुनौतियाँ**

भारत में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर स्थिति जटिल रही है। आरबीआई ने 2018 में बैंकों को क्रिप्टो से जुड़े लेनदेन पर रोक लगा दी थी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में हटा दिया। इसके बाद क्रिप्टो ट्रेडिंग में तेज़ी आई और 2021 तक भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा क्रिप्टो मार्केट बन गया।

प्रमुख चुनौतियाँ: नियमों की अस्पष्टता: अभी तक भारत में क्रिप्टो के लिए कोई स्पष्ट कानून नहीं है। कराधान की जटिलता: 30% कर और 1% TDS ने ट्रेडिंग को प्रभावित किया लेकिन नियमन नहीं किया। फ्रॉड और स्कैम: लाखों निवेशकों के साथ क्रिप्टो फ्रॉड के मामले बढ़े। वित्तीय अस्थिरता का खतरा।

राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती।

जीनियस एक्ट: अमेरिका का ठोस कदम

GENIUS Act का उद्देश्य है: क्रिप्टो में अवैध गतिविधियों की रोकथाम। AML और KYC मानकों को सख्ती से लागू करना।क्रिप्टो एक्सचेंज पर निगरानी। ट्रांजेक्शन डेटा रिकॉर्ड और ट्रैकिंग। पारदर्शिता बढ़ाना और निवेशक सुरक्षा सुनिश्चित करना।

विशेषताएँ:

AML/KYC अनिवार्यता

गैर-पंजीकृत एक्सचेंज पर सख्त कार्रवाई

रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क

फेडरल रेगुलेटरी गाइडलाइंस

इनोवेशन को रोकने के बजाय सुरक्षित बनाना। इस एक्ट का मकसद क्रिप्टो सेक्टर को समाप्त करना नहीं बल्कि सुरक्षित और नियंत्रित बनाना है ताकि फिनटेक इनोवेशन भी रुके नहीं और अवैध गतिविधियाँ भी न हों।

क्यों भारत के लिए हितकारी हो सकता है अमेरिका जैसा जीनियस एक्ट? भारत में क्रिप्टो पर प्रतिबंध लगाना व्यवहारिक विकल्प नहीं है क्योंकि: क्रिप्टो मार्केट में 2 करोड़ से अधिक भारतीय जुड़े हुए हैं। ब्लॉकचेन स्टार्टअप और फिनटेक इनोवेशन भारत में तेज़ी से बढ़ रहे हैं। युवा निवेशकों का रुझान बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ट्रांसफर में इसका उपयोग संभावनाओं को बढ़ाता है। ऐसे में भारत को अमेरिका की तर्ज पर निम्न कदम उठाने चाहिए:

1 स्पष्ट नियामक ढांचा: KYC/AML अनिवार्यता, क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए लाइसेंस प्रणाली।

2 ट्रांजेक्शन मॉनिटरिंग सिस्टम: suspicious transaction reports की व्यवस्था।

3 निवेशक संरक्षण: धोखाधड़ी के मामलों में फास्ट ट्रैक न्यायिक प्रक्रिया।

4 इनोवेशन को प्रोत्साहन: ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के विकास में रुकावट न आए।

5 सार्वजनिक जागरूकता: क्रिप्टो निवेश में जोखिम और धोखाधड़ी से बचाव हेतु शिक्षा।

6 CBDC का समानांतर विकास: RBI की डिजिटल रुपये योजना को क्रिप्टो के साथ संतुलन में चलाना।

अवसर: भारत के लिए संभावनाओं का खजाना

फिनटेक लीडर बनने का अवसर। ब्लॉकचेन आधारित सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और दक्षता। ग्लोबल क्रिप्टो निवेश आकर्षित करना। रोजगार और स्टार्टअप ईकोसिस्टम को बढ़ावा। यदि भारत अमेरिका की तर्ज पर GENIUS ACT जैसे कानून के तहत क्रिप्टोकरेंसी को नियंत्रित करता है तो यह वित्तीय क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

नियमन ही भविष्य की कुंजी

क्रिप्टोकरेंसी अनियंत्रित शक्ति की तरह है, जो यदि दिशा और नियमों में बंध जाए तो अर्थव्यवस्था का सशक्त साधन बन सकती है। प्रतिबंध लगाने की बजाए ठोस नियमन, तकनीकी आधार और वैश्विक अनुभवों का लाभ उठाकर भारत क्रिप्टो और ब्लॉकचेन के क्षेत्र में वैश्विक लीडर बन सकता है। अमेरिका का जीनियस एक्ट भारत को यह सबक देता है कि नियमन को तकनीकी विकास में बाधा नहीं बनाना चाहिए बल्कि उसे सुरक्षित, पारदर्शी और उपयोगी बनाना चाहिए। भारत के लिए यह रास्ता लाभकारी भी होगा और अर्थव्यवस्था में डिजिटल क्रांति का नया अध्याय भी लिखेगा। क्रिप्टोकरेंसी ने वैश्विक वित्त में तेजी से जगह बनाई है, लेकिन इसके अस्थिर स्वभाव और साइबर अपराध में उपयोग ने नियमन की आवश्यकता को अनिवार्य बना दिया है। अमेरिका का जीनियस एक्ट (GENIUS Act) क्रिप्टो लेनदेन में मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाते हुए पारदर्शिता और निवेशक सुरक्षा सुनिश्चित करता है। यह कानून KYC/AML पालन, निगरानी और रिपोर्टिंग के कड़े प्रावधानों के साथ क्रिप्टो क्षेत्र को खत्म करने की जगह सुरक्षित बनाता है। भारत में भी 2 करोड़ से अधिक लोग क्रिप्टो से जुड़े हैं और तेजी से ब्लॉकचेन स्टार्टअप्स और फिनटेक इनोवेशन बढ़ रहे हैं। ऐसे में प्रतिबंध लगाना व्यावहारिक नहीं है। भारत को अमेरिका की तर्ज पर स्पष्ट नियम, लाइसेंस प्रणाली, KYC/AML पालन, ट्रांजेक्शन मॉनिटरिंग, धोखाधड़ी मामलों में फास्ट ट्रैक प्रक्रिया और सार्वजनिक जागरूकता पर काम करना चाहिए। इसके साथ-साथ, CBDC (डिजिटल रुपया) के विकास को क्रिप्टो के साथ संतुलन में लाना फायदेमंद होगा। ठोस नियमन भारत को फिनटेक लीडर बनाने, ग्लोबल क्रिप्टो निवेश आकर्षित करने, ब्लॉकचेन पारदर्शिता बढ़ाने और रोजगार सृजन में मदद करेगा। अमेरिका का जीनियस एक्ट भारत को यह सीख देता है कि तकनीकी विकास में बाधा डालने की जगह क्रिप्टो को सुरक्षित व पारदर्शी बनाकर अर्थव्यवस्था में डिजिटल क्रांति लाई जा सकती है। इस दिशा में ठोस कदम ही भारत के लिए हितकारी साबित होंगे।

"पेट्रोपोल पैरासौल: लकड़ी से बनी दुनिया की सबसे अनोखी और विशाल संरचना"

-ग्लोबल वॉर्मिंग के दौर में टिकाऊ आर्किटेक्चर की मिसाल, पेट्रोपोल पैरासौल बना आकर्षण का केंद्र

दुनिया बदल रही है। अब इमारतें सिर्फ सीमेंट और कंक्रीट से नहीं बन रही, बल्कि इंसान फिर से कुदरत के करीब जाने की कोशिश कर रहा है। ब्राज़ील के पेट्रोपोल शहर में बनाई गई पेट्रोपोल पैरासौल नाम की लकड़ी की विशाल संरचना इसी बदलाव की गवाही देती है। यह केवल एक इमारत नहीं, बल्कि एक पैग़ाम है कि इन्सान और तबीअत (प्रकृति) के दरमियान एक नया रिश्ता कायम किया जा सकता है।

परंपरा और आधुनिकता का संगम पेट्रोपोल ब्राज़ील के रियो डी जेनेरो के करीब बसा एक खूबसूरत पहाड़ी इलाका है, जहां हरियाली और कुदरती खूबसूरती हर कदम पर देखने को मिलती है। इसी शहर में पेट्रोपोल पैरासौल एक ऐसी संरचना है जो पूरी तरह लकड़ी से बनी है, लेकिन इसका डिज़ाइन और निर्माण तकनीक बिल्कुल आधुनिक है। यह संरचना छतरी (पैरासौल) जैसी है, जहां लकड़ी के विशाल बीम आपस में जुड़ कर एक मजबूत और हल्की छाया प्रदान करने वाली छत बनाते हैं। यह संरचना स्थानीय लकड़ी से तैयार की गई है और इसे बनाने में पर्यावरण के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया गया है। इसके निर्माण में किसी भी तरह के हानिकारक केमिकल या ऐसे मटीरियल का इस्तेमाल नहीं किया गया, जिससे कुदरत को नुकसान पहुंचे।

इको-आर्किटेक्चर की मिसाल

पेट्रोपोल पैरासौल एक बेहतरीन इको-आर्किटेक्चर का उदाहरण है। आज जिस तरह से ग्लोबल वॉर्मिंग और जलवायु परिवर्तन की चुनौती सामने खड़ी है, ऐसे में कुदरती और टिकाऊ निर्माण की अहमियत बढ़ गई है। पेट्रोपोल पैरासौल इसी सोच पर खरा उतरता है। इसे बनाने में लकड़ी का उपयोग केवल सजावट या परंपरा के नाम पर नहीं किया गया, बल्कि इसके इंजीनियरिंग पक्ष को भी मजबूती दी गई। लकड़ी को एक खास तकनीक से प्रोसेस कर के मजबूत और लचीला बनाया गया ताकि वह वजन और मौसम की मार सह सके। इस संरचना में लकड़ी को जिस तरह से जोड़ कर विशाल बीम तैयार किए गए, वह आज के आधुनिक स्टील और कंक्रीट की संरचनाओं को चुनौती देते हैं।

लोकल समुदाय के लिए रोज़गार का ज़रिया

पेट्रोपोल पैरासौल के निर्माण में स्थानीय कारीगरों और लकड़ी पर काम करने वाले लोगों को रोज़गार का मौका मिला। यह किसी भी विकास परियोजना का अहम हिस्सा होता है कि वह केवल पर्यावरण के अनुकूल न हो, बल्कि स्थानीय समुदाय को भी मजबूत बनाए। ब्राज़ील में लकड़ी का काम एक परंपरागत पेशा रहा है। पेट्रोपोल पैरासौल के निर्माण में वहां के कारीगरों की पारंपरिक तकनीकों को आधुनिक डिज़ाइन में शामिल किया गया। इससे न सिर्फ उनकी रोज़ी-रोटी का साधन बना, बल्कि उनकी कला और हुनर को दुनिया के सामने आने का मौका भी मिला।

कुदरत के साथ तालमेल

लकड़ी एक ऐसा मटीरियल है, जो कुदरत के साथ तालमेल बिठाता है। लकड़ी की संरचनाएं मौसम के हिसाब से अपने अंदर नमी को नियंत्रित करती हैं। गर्मी में यह ठंडक देती हैं, जबकि ठंड में गर्माहट बनाए रखती हैं। पेट्रोपोल पैरासौल में भी इसी प्राकृतिक गुण का लाभ लिया गया है। ब्राज़ील के इस क्षेत्र में बारिश काफी होती है। इस पैरासौल की छतरी जैसी डिजाइन बारिश के पानी को एक जगह इकट्ठा कर के रिसाइकल करने में मदद करती है। इसके नीचे बैठने वालों को बारिश से बचाव भी मिलता है और छाया भी।

कला और वास्तुकला का संगम

पेट्रोपोल पैरासौल को देखने पर लगता है जैसे यह किसी कलाकार की कूची से निकला हुआ एक चित्र हो। इसके विशाल लकड़ी के बीम

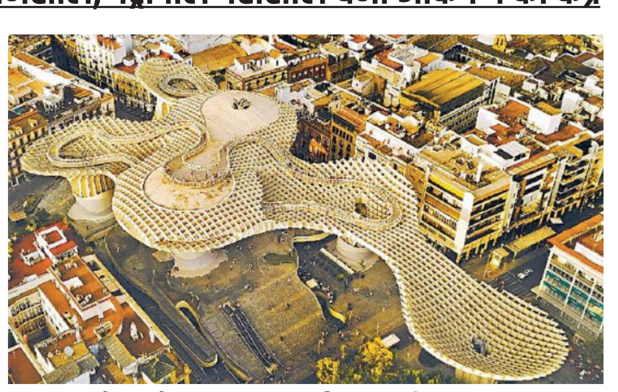

जब हवा में फैलते हैं, तो यह किसी विशाल फूल की पंखुड़ियों जैसे नज़र आते हैं। इस संरचना का डिज़ाइन इस तरह से तैयार किया गया है कि सूरज की रोशनी छतरी की लकड़ी के बीच से छन कर नीचे गिरती है और एक खूबसूरत नज़ारा पेश करती है। रात में इसके बीच लगाए गए सोलर पैनल से पैदा होने वाली रोशनी इसके सौंदर्य को और बढ़ा देती है।

जलवायु परिवर्तन के दौर में नई सोच

दुनिया भर में ग्लोबल वॉर्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से नए तरह की संरचनाओं की ज़रूरत महसूस की जा रही है। पेट्रोपोल पैरासौल इस बात की मिसाल है कि टिकाऊ विकास किस तरह संभव है। लकड़ी के इस्तेमाल से कार्बन फुटप्रिंट कम होता है। लकड़ी हवा से कार्बन डाइऑक्साइड को सोख कर ऑक्सीजन छोड़ती है। इस तरह लकड़ी की संरचनाएं पर्यावरण के लिए फायदेमंद होती हैं। पेट्रोपोल पैरासौल का निर्माण इसी सोच को ध्यान में रख कर किया गया है।

पर्यटन को बढ़ावा

पेट्रोपोल पैरासौल सिर्फ एक संरचना नहीं, बल्कि एक पर्यटन स्थल भी बन चुका है। हर साल हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं। यह पर्यटकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन गया है। इसके आसपास स्थानीय कारीगरों की दुकानों, कैफे और छोटे हस्तशिल्प बाज़ारों का विकास हुआ है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बल मिला है।

शिक्षा का केंद्र

पेट्रोपोल पैरासौल को एक लर्निंग सेंटर के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा रहा है। स्थानीय स्कूल और यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स इसके निर्माण तकनीक और पर्यावरण अनुकूल आर्किटेक्चर के बारे में सीखने आते हैं। यह संरचना यह सिखाती है कि कुदरत और तकनीक को कैसे एक साथ लाया जा सकता है। यहां बच्चों और युवाओं को सस्टेनेबल आर्किटेक्चर और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाया जाता है।

कोरोना काल में राहत की जगह

कोरोना महामारी के दौरान खुले और हवादार स्थानों की अहमियत बढ़ गई थी। पेट्रोपोल पैरासौल ने उस समय लोगों को एक सुरक्षित जगह दी, जहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए लोग खुली हवा में समय बिता सके। इसके नीचे योगा क्लास, ओपन लाइब्रेरी और छोटे सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिससे लोगों में सकारात्मकता और जुड़ाव बना रहा।

भविष्य की संरचनाओं का रास्ता

पेट्रोपोल पैरासौल ने यह दिखा दिया कि भविष्य की संरचनाएं कैसी हो सकती हैं। टिकाऊ, खूबसूरत और पर्यावरण के साथ तालमेल बिठाने वाली। भारत जैसे देशों के लिए भी पेट्रोपोल पैरासौल एक मिसाल है। हमारे यहां भी पर्यावरण के अनुकूल निर्माण की सख्त ज़रूरत है। लकड़ी का उपयोग हमारे यहां भी पारंपरिक रहा है।

अहमद दीन: भगत सिंह के क्रांतिकारी मुस्लिम साथी जिनकी कहानी दबा दी गई

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की क्रांतिकारी धारा में भगत सिंह का नाम चिरस्थायी है, लेकिन उनके संग्राम में उनके उन मुस्लिम साथियों की भूमिका अक्सर इतिहास की परतों में दबकर रह गई है जिन्होंने अंग्रेज़ी हुकूमत की नींद हराम कर दी थी। उनमें से एक नाम है अहमद दीन का, जिन्होंने नौजवान भारत सभा, हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) और भगत सिंह की विचारधारा से प्रेरित होकर क्रांतिकारी राह चुनी थी। यह लेख उन भूले-बिसरे अध्यायों को सामने लाने का प्रयास है जो यह सिद्ध करते हैं कि आज़ादी की लड़ाई में मज़हब की नहीं, इंकलाब की गूंज ने क्रांतिकारियों को जोड़े रखा।

पंजाब में क्रांतिकारी चेतना का माहौल

20वीं सदी के तीसरे दशक में पंजाब एक अलग उबाल पर था। जलियांवाला बाग हत्याकांड, साइमन कमीशन का विरोध और किसान आंदोलनों ने युवा पीढ़ी में अंग्रेज़ी शासन के प्रति आक्रोश भरा। अमृतसर, लाहौर, फिरोजपुर और आसपास के क्षेत्रों में नौजवान भारत सभा की शाखाओं ने युवाओं को जोड़ना शुरू किया। भगत सिंह और उनके साथी किताबों, पत्रिकाओं और रातों में गोपनीय बैठकों में इंकलाब का बीज बो रहे थे। इन्हीं दिनों अहमद दीन भी उनके संपर्क में आए।

अहमद दीन का जीवन और क्रांतिकारी यात्रा

अहमद दीन का जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा अपने गांव में प्राप्त की और आगे जाकर उर्दू, फारसी और अंग्रेज़ी भाषा भी सीखी। पढ़ाई के दौरान ही उनके अंदर ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ नफरत का बीज पनपने लगा। लाला लाजपत राय पर लाठीचार्ज और उनकी मृत्यु ने पंजाब के युवाओं को झकझोर दिया। अहमद दीन ने भी यही क्षण चुना अपने जीवन का रास्ता तय करने के लिए। वह लाहौर आए और नौजवान भारत सभा की बैठकों में शामिल हुए। यहाँ उनका परिचय भगत सिंह, सुखदेव और भगवती चरण वोहरा से हुआ। धीरे-धीरे वे क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय होने लगे। उनके कार्य में गुप्त सूचनाएं इकट्ठा करना, हथियारों की तस्करी में मदद करना और प्रचार सामग्री बांटना शामिल था।

क्रांतिकारी मुस्लिम युवाओं की भूमिका

अहमद दीन अकेले नहीं थे। अशफाकउल्ला खां, राजाब अली, बिस्मिल, और एहसान इलाही जैसे क्रांतिकारी मुसलमान युवाओं ने भगत सिंह और उनके साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ मोर्चा खोला। इन क्रांतिकारियों ने मज़हब के आधार पर नहीं, बल्कि मजलूमों की आज़ादी के लिए हथियार उठाए थे। अंग्रेजों की नज़र में वे सभी एक जैसे थे – देशद्रोही, बाग़ी और 'आतंकवादी'। लेकिन हकीकत में वे 'इंकलाब जिंदाबाद' की राह के सच्चे मुसाफिर थे।

बम निर्माण और अहमद दीन की भूमिका

HSRA की योजना के तहत बम निर्माण और उनकी परीक्षण प्रक्रिया में अहमद दीन का अहम योगदान रहा। वे बिहार के गंगा घाटों और पंजाब की नदियों के किनारे परीक्षण स्थलों पर साथी क्रांतिकारियों को कच्चा माल मुहैया कराने में मदद करते थे। उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी – गुप्त भाषा में संवाद स्थापित करना। भगत सिंह जब कानपुर और लाहौर के बीच गुप्त आवाजाही कर रहे थे, उस वक्त अहमद दीन उनके लिए स्थानीय स्तर पर सुरक्षित ठिकानों की व्यवस्था करते थे। 1929 में असेंबली बम कांड से पहले भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त के लिए जरूरी दस्तावेजों और कपड़ों की व्यवस्था में अहमद दीन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस की नज़र में और गिरफ्तारी सांडर्स हत्याकांड और असेंबली बम कांड के बाद पंजाब पुलिस और सीआईडी का शिकंजा क्रांतिकारियों पर कसने लगा। अहमद दीन भी उनकी नज़रों में आ चुके थे। उनके कई साथियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। लाहौर षड्यंत्र केस की जांच में जब भगत सिंह और सुखदेव पर मुकदमा चल रहा था, अहमद दीन लाहौर से बाहर निकलने में सफल हुए और गुप्त ठिकाने पर चले गए। 1930 में ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें हथियार और बम रखने के झूठे आरोप में गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उन्होंने किसी भी साथी का नाम नहीं लिया। अंग्रेज़ पुलिस उनके साथ क्रूरता से पेश आई, लेकिन वह टूटे नहीं। आखिरकार, उन्हें 7 साल की सख्त कैद की सजा सुनाई गई।

जेल की सज़ा और लेखन

जेल में रहते हुए अहमद दीन ने कई लेख और कविताएं लिखीं, जिनमें उन्होंने आज़ादी, इंकलाब और भगत सिंह के विचारों को आगे बढ़ाने का काम किया।

उनकी एक प्रसिद्ध पंक्ति थी:

"इंकलाब की राह में जो गिर पड़े,
वो जीते हैं,
जो डर के पीछे हटे, वो हार कर
मरते हैं।"

उनकी कविताओं और लेखों ने जेल के भीतर और बाहर युवा कैदियों में एक नया जोश भरने का काम किया। उन्होंने जेल में ही भगत सिंह की लिखी पुस्तिकाओं का उर्दू में अनुवाद कर साथी कैदियों तक पहुँचाया।

रिहाई के बाद सामाजिक कार्य

सजा पूरी होने के बाद जब अहमद दीन जेल से बाहर आए, तब देश आज़ाद होने की कगार पर था। आज़ादी के बाद उन्होंने राजनीति में शामिल होने के कई प्रस्ताव ठुकरा दिए और शिक्षा के क्षेत्र में काम करना शुरू किया। पंजाब के ग्रामीण इलाकों में उन्होंने अनपढ़ मजदूरों और किसानों के बच्चों को पढ़ाने के लिए रात की पाठशालाएं शुरू कीं। उन्होंने हमेशा कहा, "मेरी लड़ाई अंग्रेज़ी हुकूमत से थी, कुर्सी की लालच से नहीं। अब मेरी लड़ाई अशिक्षा और गरीबी से है।"

भगत सिंह और अहमद दीन: **विचारधारा में साम्यता**

भगत सिंह मज़हबी दीवारों को तोड़कर वर्गहीन समाज की स्थापना के पक्षधर थे। अहमद दीन ने भी हमेशा जात-पात और मज़हब से ऊपर उठकर इंसानियत की बात की। दोनों मानते थे कि आज़ादी केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक बदलाव के बिना अधूरी रहेगी। इसीलिए अहमद दीन ने आज़ादी के बाद भी शोषण और असमानता के खिलाफ आवाज उठाई।

भारतीय मुसलमान क्रांतिकारियों की अनदेखी

इतिहास लेखन में मुस्लिम क्रांतिकारियों की भूमिका को पर्याप्त स्थान नहीं दिया गया। अहमद दीन, अशफाकउल्ला खां, एहसान इलाही, राजाब अली जैसे अनेक नाम कहीं खो गए। इनकी कहानियां हमें बताती हैं कि भारत की आज़ादी की लड़ाई हिन्द-मुस्लिम, सिख-ईसाई की लड़ाई नहीं थी, बल्कि यह लड़ाई हर उस व्यक्ति की थी जिसने गुलामी की जंजीरें तोड़ने की कसम खाई थी।

युवाओं के लिए संदेश

आज जब देश में धार्मिक ध्रुवीकरण और नफरत की राजनीति का माहौल बनाया जाता है, ऐसे में अहमद दीन और भगत सिंह की दोस्ती और उनके इंकलाबी संघर्ष युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। वे हमें यह सीख देते हैं कि मज़हब के नाम पर नहीं, बल्कि इंसानियत और बराबरी के लिए लड़ना ही सच्चा इंकलाब है। अहमद दीन की कहानी भगत सिंह के क्रांतिकारी आंदोलन में मुसलमान साथियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है। उन्होंने अपने मज़हब और जातीय पहचान से ऊपर उठकर देश की आज़ादी के लिए संघर्ष किया। ऐसे क्रांतिकारी योद्धा हमारे नायक हैं, जिनकी यादें हमें बताती हैं कि आज़ादी की लड़ाई में कौन किस मज़हब का था, यह नहीं देखा गया – देखा गया तो बस यह कि वह अन्याय के खिलाफ खड़ा था या नहीं। आज समय की मांग है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को यह बताएं कि भारत की आज़ादी हिंदू-मुस्लिम एकता और साझी शहादत का नतीजा थी।

आरयूएचएस को रिम्स के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया तेज — चिकित्सा मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आरयूएचएस अस्पताल को रिम्स के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गुरूवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में इस संबंध में समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

खींवसर ने कहा कि आरयूएचएस अस्पताल को रिम्स के रूप में विकसित करने के लिए राज्य सरकार ने 750 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। अधिकारी, राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप रिम्स के लिए आवश्यक वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियां शीघ्र जारी करवाएं एवं समयबद्ध रूप से निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर काम को गति दें। उन्होंने कहा कि आरयूएचएस के रिम्स के रूप में विकसित होने से न केवल जयपुरवासियों बल्कि प्रदेशभर के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प मिलेगा। साथ ही, चिकित्सा के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि रिम्स के विकास से संबंधित कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए टाइमलाइन के साथ एक एक्शन प्लान बनाएं। किसी भी स्तर पर बाधा आने पर तत्काल अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि आरयूएचएस अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध होना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह प्रयास किया जाए कि आसपास के क्षेत्रों एवं दूसरे जिलों से रेफर होने वाले केस आरयूएचएस में आएं। इससे यहां की विशेषज्ञ सेवाओं का समुचित उपयोग हो सकेगा।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने कहा कि रिम्स का विकास तीन चरणों में किया जाना प्रस्तावित है। पहले चरण में मौजूदा सुविधाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। दूसरे चरण में डेडीकेटेड सुपर स्पेशियलिटी विभाग स्थापित किए जाएगें एवं तृतीय चरण में शोध एवं अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यहां ट्रोमा सेन्टर, जीरियाट्रिक्स हेल्थ केयर रिसोर्स एवं रिसर्च सेन्टर एवं डेडिकेटेड थैलेसिमिया यूनिट की स्थापना प्रक्रियाधीन है। क्रिटिकल केयर ब्लॉक तैयार हो चुका है, जिसका जल्द ही लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डेडिकेटेड सुपर स्पेशियलिटी विंग की स्थापना के लिए प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान ने रिम्स के विकास से संबंधित योजना एवं गतिविधियों की जानकारी दी।

आरयूएचएस के अधीक्षक डॉ. महेश मंगल ने बताया कि अस्पताल में कैथलेब, प्लास्टिक सर्जरी, एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, स्पोटर्स इंजरी एवं लिगामेंट सर्जरी जैसी सुविधाएं प्रारम्भ कर दी गई हैं। अस्पताल में अब 13 ऑपरेशन थियेटर फंक्शनल हैं, जिनमें 11 ओटी एवं 2 आपातकालीन ओटी शामिल हैं। वर्तमान में लगभग 2200 से 2600 मरीज प्रतिदिन ओपीडी में चिकित्सा परामर्श के लिए आ रहे हैं। जुलाई माह में 1800 से अधिक मरीजों की विभिन्न प्रकार की सफल सर्जरी की गई हैं। पोस्ट मार्टम सेवाएं भी प्रारंभ कर दी गई हैं। अब अस्पताल में 24 घंटे लेबर रूम संचालित किया जा रहा है।

बैठक में आरयूएचएस के कुलगुरू प्रो. प्रमोद येवले सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री ने किया जैसलमेर स्थित वॉर म्यूजियम का अवलोकन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने गुरुवार को अपने जैसलमेर प्रवास के दौरान परिवार सहित जैसलमेर स्थित वॉर म्यूजियम का अवलोकन किया। उन्होंने वहां वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं उनके बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वॉर म्यूजियम केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि यह मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले रणबांकुरों की अमर गाथाओं का जीवंत प्रतीक है। यहां आकर देशभक्ति, शौर्य, बलिदान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अद्भुत अनुभव होता है।

उन्होंने कहा कि युद्ध इतिहास में दर्शाए गए वीरता के किस्से आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। यह स्थल हमें यह याद दिलाता है कि हमारे सैनिकों ने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है, और उनका यह बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने वॉर म्यूजियम में प्रदर्शित युद्ध सामग्री, चित्रों एवं ऐतिहासिक तथ्यों का भी अवलोकन किया और उसे अत्यंत प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के स्मारक युवाओं को देशभक्ति और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। इस दौरान जिला प्रशासन एवं सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया तथा वॉर म्यूजियम की विशेषताओं की जानकारी दी।

वर्षा जल संरक्षण एवं पौधारोपण से होगा हरियालो राजस्थान का सपना साकार- राज्यपाल

-युवाओं में नशे की रोकथाम के लिए चलाएं जागरूकता अभियान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को जालोर में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागों को जन हित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को नवीन शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण करवाये जाने तथा किताबी ज्ञान के साथ-साथ नवीन शोधपरक जानकारियाँ बच्चों के साथ साझा करने की बात कही। उन्होंने जिले में संचालित राजकीय स्कूलों व उनमें अध्यनरत विद्यार्थियों की संख्या, मिड-डे-मील योजना की जानकारी लेते हुए विद्यार्थियों को मिड-डे-मील योजना के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पोषण प्रदान किये जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जिले में टी.बी.मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत क्षय रोगियों की संख्या, उनकी स्क्रीनिंग व निक्षय मित्र के माध्यम से उन्हें पोषण किट वितरण करने की प्रगति के बारे में जानकारी ली तथा चिकित्सा विभाग को टी.बी. मुक्ति की दिशा में प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने जल जीवन मिशन में हर घर जल पहुँचाने के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। नर्मदा नहर परियोजना के तहत ई.आर., एफ.आर. व डी.आर. प्रोजेक्ट की समीक्षा की तथा जल जीवन मिशन के तहत एफएचटी कनेक्शन की गति बढ़ाते हुए पेयजल स्त्रोत निर्माण के कार्यों को समय पर पूर्ण करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कि जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण व भू-जल स्तर सुधार से "हरियालो राजस्थान" की दिशा में प्रदेश अग्रसर हो सकेगा। उन्होंने वर्षा जल के सहेज कर रखने की बात कही जिसके फलस्वरूप जिले में पानी की समस्या से मुक्ति मिले।

उन्होंने डिस्कॉम की कुसम योजना की प्रगति देखी तथा पंचायतीराज की स्वामित्व योजना में जारी किए गए पट्टों पर जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पीएम आवास योजना व मनरेगा के तहत जिले में प्रगतिरत कार्यों व स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मनरेगा में पौधारोपण, टांका निर्माण व जल संरक्षण के कार्यों को अधिक से अधिक करवाये जाने पर जोर दिया। उन्होंने नगरीय निकायों व ग्रामों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुए घर-घर कचरा संग्रहण के माध्यम से एकत्रित किए गए कचरे के समुचित निस्तारण को लेकर निर्देशित किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जिले में नशीली पदार्थों के अवैध कारोबार के विरूद्ध पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान एवं की गई कार्यवाही के बारे में जानकारी लेते हुए युवाओं में नशे की प्रवृति की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाने तथा नशा मुक्ति कैम्प लगाकर नशे के आदी हो चुके लोगों को नशावृत्ति से मुक्ति दिलाने के प्रयासों की आवश्यकता जताई। नशे के कारोबार में प्रवृत्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही किये जाने के निर्देश भी दिए।

कांग्रेसियों ने विरोध प्रदर्शन कर एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर ज़िला कांग्रेस कमेटी द्वारा शाहपुरा विधायक मनीष यादव के नेतृत्व में शाहपुरा अनाज मंडी में स्मार्ट मीटर, RGHS योजना, लचर क़ानून वयवस्था, पंचायतराज व निकाय परिसीमन एवम् चुनाव, पेयजल समस्या, जयपुर व देवन तिराहा पुलिया निर्माण को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मीटिंग आयोजित कर विरोध प्रदर्शन किया तथा उपखंड अधिकारी शाहपुरा को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। मीटिंग में शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने कहा कि जब से भाजपा की सरकार बनी है तब से प्रदेश की कानून व्यवस्था बिल्कुल चौपट हो गई है समाचार पत्रों में आए दिन बलात्कार लूटपाट डकैती चेन स्नेचिंग बजरी माफियाओं का आतंक आदि आपराधिक घटनाओं की जानकारी प्राप्त होती है और ऐसा लगता है कि प्रदेश में पुलिस का इकबाल खत्म हो चुका है। सरकार स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता से स्मार्ट लूट करना चाहती है। स्मार्ट मीटर के नाम पर अपने चहीते लोगो को टेंडर देकर मोटा मुनाफ़ा कमाना चाहते है। कांग्रेस सरकार की जनकल्याणकारी RGHS योजना की दुर्दशा कर दी गई है, कर्मचारीयो से प्रतिमान पैसे काटकर भी अस्पतालों व दवा विक्रेताओं का भुगतान नहीं कर रही। क्षेत्र में पेयजल की विकट समस्या है। शाहपुरा में जयपुर व देवन तिराहा पुलिया का काम कई सालो से पेंडिंग है जिसको लेकर मीटिंग में अधिकारियों को स्पष्ट कहा गया है कि यदि पुलिया का काम 100 दिन में नहीं किया जाता है विरोध झेलना पड़ेगा।

ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष जयपुर देहात गोपाल मीना ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा नगर निकाय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को परिसीमन के नाम पर बार-बार डाला जा रहा है नगर निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है तथा कार्यकाल समाप्त होने से पूर्व इन संस्थाओं के चुनाव करवाने की प्रक्रिया प्रारंभ करना आवश्यक है किंतु राज्य सरकार द्वारा प्रावधानों का उल्लंघन कर इन संस्थाओं के चुनाव टाले जा रहे हैं ।

फुलेरा विधायक विद्याधर चौधरी ने कहा कि प्राइवेट कम्पनियों द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों से जनता को लूटा जारहा है ये मीटर आवश्यकताओं से अधिक रीडिंग निकाल रहे है इस कमरतोड़ महंगाई में खाना खाएं या बिल को जमा करवाए।

चोमू विधायक शिखा मील ने कहा कि कांग्रेस की जनकल्याणकारी नीतियों को सरकार बंद करती जा रही है। आमजन परेशान है।

इस अवसर पर ज़िला प्रभारी आरसी चौधरी व कांग्रेस लोकसभा प्रत्याशी अनिल चोपड़ा ने भी अपने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर के नाम पर लूट की जा रही है।

इस दौरान प्रवीण व्यास प्रदेश सचिव, नन्दलाल गोठवाल पूर्व प्रधान, प्रेमदेवी जाट पूर्व चेयरमैन, नाथूलाल सैनी ब्लॉक अध्यक्ष बी, मुकेश देव गुर्जर ब्लॉक अध्यक्ष ए, प्रभु जाट अध्यक्ष क्रय विक्रय सहकारी समिति शाहपुरा, रामेश्वर गोरठा, दुर्गालाल, अलाउद्दीन खान नगर अध्यक्ष मनोहरपुर, मुकेश खुडानियां नगर अध्यक्ष शाहपुरा, सुरेश मीणा नगर अध्यक्ष खेजरोली, राजेन्द्र सारण उपसभापति नगर परिषद्, जे पी मान उपप्रधान, महेन्द्र चौधरी पूर्व जिला परिषद सदस्य, सरपंच धर्मसिंह, सुभाष, सुरज्ञान (प्रतिनिधि), जिला परिषद् सदस्य पवन वर्मा व सीताराम यादव, मंडल अध्यक्ष महेश कुमावत, कृष्ण कुमार दुहारिया, बाबूलाल यादव, गोपाल सेपट, श्रवण सैनी, जगदीश, बाबू लाल, व महेश सैनी, नन्दा पालम, पार्षद विपिन सैनी, घनश्याम सैनी, असलम कुरैशी, पार्षद प्रतिनिधि अर्जुन रोलानियाँ, प्रहलाद जाट, रामावतार गुर्जर, रामस्वरूप पुनिया, शाह समाज मनोहरपूर के सदर सदरू शाह आदि मौजूद रहे।

गिरधारीपुरा कच्ची बस्ती में जल भराव की समस्या का हुआ समाधान

-मुख्यमंत्री के निर्देशों पर जेडीए द्वारा जलभराव की समस्या का किया स्थाई निस्तारण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। हाल ही में जयपुर में हुई भारी वर्षा के कारण उत्पन्न आपात परिस्थितियों को देखते हुए माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महोदय द्वारा शहरी क्षेत्रों में जलभराव, सड़क क्षति और जल स्रोतों के जलस्तर में वृद्धि की स्थिति की समीक्षा हेतु एक उच्चस्तरीय बैठक ली गई थी। जेडीसी आनंदी ने गिरधारीपुरा कच्ची बस्ती की स्थिति के संबंध में बताया कि यह बस्ती लगभग 20 वर्ष पुरानी है और हर वर्ष वर्षाकाल में जल भराव की समस्या का सामना करती है। जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण स्थानीय निवासियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

गिरधारीपुरा कच्ची बस्ती के आस-पास कोई ड्रेनेज सिस्टम न होने और इस क्षेत्र का स्तर आस-पास के क्षेत्रों से नीचा होने के कारण पानी को निकालना संभव नहीं हो पाता था। इस स्थिति में, वर्षाकाल में जलभराव की स्थिति को केवल पंप द्वारा ही नियंत्रित किया जाता था। वर्तमान में, गिरधारीपुरा कच्ची बस्ती के समीप स्थित गांधी पथ पश्चिम पर सीवर लाइन का कार्य प्रगति पर है। हालांकि, गांधी पथ पश्चिम का स्तर भी गिरधारीपुरा कच्ची बस्ती के स्तर से ऊंचा है, जिससे पानी को केवल पंप द्वारा ही लिफ्ट कर सीवर लाइन तक भेजा जा सकता है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय के निर्देशों के अनुपालना में जयपुर विकास प्राधिकरण ने इस समस्या के समाधान हेतु माननीय नगरीय विकास मंत्री महोदय झाबर सिंह खर्रा के नेतृत्व में एक पंपिंग स्टेशन के निर्माण का कार्यादेश जारी किया है। इस पंपिंग स्टेशन का कार्य दिसंबर 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। इस पंपिंग स्टेशन में लगभग 2.00 लाख लीटर का स्टोरेज होगा और इसके माध्यम से भरे हुए पानी को लगभग 800 मीटर दूर गांधी पथ पश्चिम स्थित सीवर लाइन तक भेजा जाएगा। इससे उक्त क्षेत्र में जलभराव की समस्या से आमजन को राहत मिलेगी। जयपुर विकास प्राधिकरण जलभराव की समस्या को गंभीरता से ले रहा है और स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम इस दिशा में उठाए गए कदमों से क्षेत्रवासियों को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है कि गत दिनों 02 जुलाई 2025 को माननीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ द्वारा जिला कलक्टर एवं जेडीसी के साथ स्थल का दौरा कर कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के लिए कहा था।

जेडीए सचिव ने ली समस्त प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक

-लंबित प्रकरणों की पेंडेंसी शून्य करने के दिए निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। माननीय नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा तथा जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी के मार्गदर्शन में जयपुर विकास प्राधिकरण के सचिव निशांत जैन की अध्यक्षता में गुरुवार को मंथन सभागार में समस्त प्रकोष्ठों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में 'डीटीएस', 'मुख्यमंत्री जनसुनवाई मॉनिटरिंग सिस्टम', 'लोकायुक्त' एवं 'मानव अधिकार आयोग' से जुड़े लंबित प्रकरणों के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। 'सम्पर्क पोर्टल' एवं 'डीटीएस' पर 60 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के संतोषजनक समाधान की आवश्यकता पर बल दिया गया।

जैन ने 'लाईट्स (कोर्ट केस)' के तहत विभिन्न माननीय न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार कर शीघ्र उत्तर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने प्रकोष्ठों की 'साप्ताहिक समीक्षा प्रत्येक सोमवार' को अनिवार्य रूप से करें, ताकि प्रारंभिक स्तर पर ही पेंडेंसी को नियंत्रित किया जा सके।

जेडीए सचिव ने माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रदत्त निर्देशों की 'त्वरित एवं सतत मॉनिटरिंग' सुनिश्चित करने पर भी विशेष बल दिया।

बैठक में 'नागरिक सेवा केंद्र' के माध्यम से जेडीए के ऑनलाइन पोर्टल पर आमजन को प्रदान की जा रही सेवाओं - जैसे 'लीजहोल्ड', 'नामांतरण', 'लीज मुक्ति प्रमाणपत्र', 'उपविभाजन/पुनर्गठन' आदि - का समयबद्ध समाधान किए जाने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने इन सेवाओं के निरंतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के साथ '90ए से संबंधित प्रकरणों' को भी समयबद्ध रूप से निपटाने के निर्देश दिए।

सचिव ने निर्देशित किया कि जिन योजनाओं में नियमन व विकास कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, उन 'योजनाओं को नगर निगम जयपुर को शीघ्र हस्तांतरित' करने की प्रक्रिया में गति लाई जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि कुल 1409 योजनाओं का नगर निगम को हस्तांतरित किया जाना प्रस्तावित है। इन योजनाओं से संबंधित 'कुल 13800 पत्रावलियों' को नगर निगम को अग्रेषित किया जाना है।

नगर निगम ग्रेटर को 1 लाख 50 हजार पौधे लगाने का दिया लक्ष्य

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने गुरूवार को "एक पेड़ माँ के नाम", हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 27 जुलाई 2025 तक 1 लाख 50 हजार पौधे लगाने के निर्देश दिये है। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त सीमा कुमार, जोन एवं मुख्यालय उपायुक्त सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने वीसी के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश दिये कि "एक पेड़ माँ के नाम", हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाभियान के तहत नगर निगम ग्रेटर को 1 लाख 50 हजार पौधे लगाये जाने है आयुक्त ने निर्देश दिये कि हर वार्ड में लगभग 15 हजार पौधे वितरित किये जायेगे जिसकी हर पौधे लगाने जाने की जिओ टेगिंग की जानी है।

आयुक्त ने सभी अधिकारियों को 3 दिवस में अलर्ट मोड पर कार्य करने के निर्देश दिये साथ ही कन्ट्रोल रूम स्थापित किये जाने के निर्देश दिये है। आयुक्त ने निर्देश दिये कि "एक पेड़ माँ के नाम", हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाअभियान के तहत स्वयं के द्वारा एवं अतिरिक्त आयुक्त द्वारा भी निरीक्षण करेगे।

दूसरा ऑनलाइन हज आवेदन कैंप 27 जूलाई को

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान हज ट्रेनर्स रिलिफ फाऊंडेशन के द्वारा दूसरा हज आवेदन कैम्प 27 जुलाई को मुस्लिम मुसाफिर खाना एमडी रोड पर लगाया जाएगा। हज कमेटी के पूर्व सदस्य हाजी शाहिद मौहम्मद ने इस कैम्प का संयोजक हाजी मोहम्मद अशफाक नक़वी व सह संयोजक हाजी मोहम्मद साबिर को नियुक्त किया है, सभी हज यात्रि जो हज 2026 पर जाने के इच्छुक है वो सभी 27 जूलाई 2025 इतवार को मुस्लिम मुसाफिर खाना एम डी रोड आकर इस कैम्प में अपना हज आवेदन कर सकते हैं। यह कैम्प सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक लगाया जायेगा । ऑनलाइन हज आवेदन के लिए अपने साथ यह आवश्यक दस्तावेज लेकर आना है। पासपोर्ट,जिसकी वैलिडिटी 31.12.2026 तक हो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, फोटो (सफेद बेक ग्राऊंड), बैंक पासबुक/कैंसिल चैक, ब्लड ग्रुप,नामिनी आदि दस्तावेज लेकर आये।

दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर के तत्वाधान में सैकड़ों वकीलों ने की शिरकत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर के तत्वाधान में शनिवार को आयोजित गोठ मौसम-ए-बाहर में सैकड़ों वकीलों ने शिरकत की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जनाब रफीक खान विधायक आदर्श नगर जयपुर, विशिष्ट अतिथि बार कौंसिल आफ राजस्थान के पूर्व चेयरमैन व सदस्य सिनियर एडवोकेट जनाब सैयद शाहिद हसन सहाब, आमेर बार एसोसिएशन के सेक्रेटरी इरशाद अहमद एडवोकेट इत्यादि उपस्थित रहे जिनका स्वागत अध्यक्ष अब्दुल वाहिद नकवी एडवोकेट व सेक्रेटरी सिराजुद्दीन (बादशाह) द्वारा किया गया। वक्फ बार एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारियों को इस अवसर पर साफा, मोती की माला, प्रमाण पत्र तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सभी वकीलों ने गोठ का आंनद लिया ओर साथ भोजन किया। सभी का धन्यवाद अध्यज्ञ महोदय ने किया।

नगर निगम ग्रेटर मानसून को लेकर अलर्ट मोड़ पर

-अब तक 602 गडढों, पोटहोल की गई मरम्मत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर द्वारा सोमवार को हुई बैठक में दिये गये निर्देश में अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता द्वारा दो दिवस में नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में स्थित निगम की सड़कों गड्ढे, पोटहोल में अब तक 602 की मरम्मत की गई।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में स्थित निगम की सड़कों पर हो रहे गड्ढों को तीन दिवस के अंदर मरम्मत कराने के निर्देश दिए थे जिससे गुरूवार को नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में 291 गडढों को भरवाया गया साथ ही दो दिवस तक लगातार सभी अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता फील्ड में रहें व स्थितियों का जायज़ा लेकर सड़कों में मिलने वाले गड्ढों को तत्काल मरम्मत करवाया गया। उन्होंने बताया कि अब तक 602 गड्ढे, पोटहोल की मरम्मत करवाई जा चुकी है।

महापौर ने बताया कि 23 एवं 24 जुलाई 2025 को मुरलीपुरा जोन में 57, विद्याधर नगर जोन में 53, झोटवाड़ा जोन में 102, मानसरोवर जोन में 82, सांगानेर जोन में 70, जगतपुरा जोन में 90 एवं मालवीय नगर जोन में 148 गड्ढें की मरम्मत की गई। अब तक कुल 602 गड्ढे, पोटहोल की मरम्मत करवाई जा चुकी है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

कांग्रेस ने किया सरकार का विरोध प्रदर्शन

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार आज जिला कांग्रेस की और से प्रेस कॉन्फ्रेंस व ज्ञापन। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अजीज दर्द ने कहा कि प्रदेश में जब से भाजपा की सरकार बनी है तब से प्रदेश की कानून व्यवस्था बिल्कुल चौपट हो गई है। समाचार पत्रों में आए दिन बलात्कार लूटपाट, डकैती, चैन स्नैचिंग, बजरी माफियाओं का आतंक आदि आपराधिक घटनाओं की जानकारी प्राप्त होती है। और ऐसा लगता है कि प्रदेश में पुलिस का इकबाल खत्म हो चुका है। लोकसभा प्रत्याशी संगीता बेनीवाल ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को परिसीमन के नाम पर बार-बार टाला जा रहा है। नगर निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है। तथा कार्यकाल समाप्त होने से पूर्व इन संस्थाओं के चुनाव करवाने की प्रक्रिया प्रारंभ करना आवश्यक है। किंतु राज्य सरकार द्वारा प्रावधानों का उल्लंघन कर इन संस्थाओं के चुनाव टाले जा रहे हैं। साथ ही राज्य में प्राईवेट कंपनियों द्वारा लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर का

ज्ञापन देकर विरोध प्रदर्शन किया प्रेस वार्ता के दौरान जिला कांग्रेस कार्यालय पाली में जिला कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अजीज दर्द के नेतृत्व में एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन कर तत्पश्चात सभी कांग्रेस जनो ने राज्य सरकार के विरुद्ध जिला कलेक्टर पाली को राज्यपाल महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा। यह जानकारी देते हुए जिला प्रवक्ता रफीक चौहान ने बताया कि इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीज दर्द, लोकसभा प्रत्याशी संगीता बेनीवाल, विधानसभा प्रत्याशी मारवाड़ जंक्शन खुशवीर सिंह जोजावर, सुमेरपुर विधानसभा प्रत्याशी हरिशंकर मेवाड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष शिशुपाल सिंह राजपुरोहित, प्रदेश सचिव शोभा सोलंकी, प्रदेश सदस्य महावीर सिंह सुकरलाई, सेवादल प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन हटेला, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण कोठारी, पाली ब्लॉक अध्यक्ष जीवराज बोराणा, रोहट ब्लॉक अध्यक्ष गिरधारी सिंह राजपुरोहित, लक्ष्मी नारायण तंवर, यशपाल सिंह राजपुरोहित, नेहपाल सिंह पावा, नेता प्रतिपक्ष हकीम भाई, वरिष्ठ नेता जब्बरसिंह राजपुरोहित, सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी, राजीव गांधी पंचायत राज मदन सिंह जागरवाल, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोवर्धन देवासी, महिला जिलाध्यक्ष ऐश्वर्या सांखला, भंवर राव, पुर्व ब्लॉक अध्यक्ष मेहबूब टी, एडवोकेट चन्द्रभानु सिंह राजपुरोहित, सुमेर सिंह मनवार, करणसिंह चाणौद, जीवराज चौहान, जिला प्रवक्ता रफीक चौहान, मांगुसिंह दुदावत, पुर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज, ओबीसी जिलाध्यक्ष गोविंद बंजारा, ओमा चौधरी, मण्डल अध्यक्ष राजू बंजारा, चेलाराम रारबडा, प्रकाश सोनी, रघुनाथ सिंह मण्डली, बाबू भाई गौरी, राजेंद्र मेघवाल, रमेश परिहार, दिनेश दवे, एम एम बोड़ा, भेरूसिंह राजपुरोहित, रजाक, भोपाल खान,चढ़वा सहित सैकड़ों कांग्रेस जन पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एन.एस.यू.आई. का जिला स्तरीय अधिवेशन संपन्न

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। एन.एस.यू.आई. का जिला अधिवेशन "एक नई दिशा एक नया संकल्प एन.एस.यू.आई.के साथ" राजकीय महाविद्यालय के सेमीनार हॉल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के आयोजक छात्रसंघ महासचिव साजिद हुसैन और छात्र नेता अंकित मीना ने बताया की नए छात्रों के मार्गदर्शन और एन.एस.यू.आई. संगठन की मजबूती के लिए ये कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एन.एस.यू.आई. के जिलाध्यक्ष हिमांशु धाकड़, एन.एस.यू.आई. के पूर्व जिलाध्यक्ष इरफ़ान अंसारी विशिष्ट अतिथि पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष दिनेश गुर्जर, केलवाड़ा महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्दार्थ शर्मा और मयंक माथोडीया रहे, जिनका एन.एस.यू.आई. का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करके की गई, उसके बाद कई संस्कृतिक

कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें कई छात्र छात्राओं ने भाग लिया। उसके बाद कार्यक्रम के अतिथि एन.एस.यू.आई.के पूर्व जिलाध्यक्ष इरफ़ान अंसारी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा की एन.एस.यू.आई. राजनीती की प्रथम सीडी हें जिस पर चढ़ कर आप अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हें और छात्राओं को भी राजनीती में अपना योगदान देकर अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। एन.एस.यू.आई.के जिलाध्यक्ष हिमांशु धाकड़ ने बताया की सभी छात्रों को एन.एस.यू.आई. की रीती निति से जुड़ना चाहिए ताकि आप एन.एस.यू.आई. संगठन को भी मजबूत कर सको और छात्र सेवक बन कर छात्रों की सेवा कर सको। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष दिनेश गुर्जर ने बताया की छात्रों को एन.एस.यू.आई. की रीती निति से जुड़ना चाहिए ताकि आपको राजनीती में अच्छा अवसर मिल सके। आयोजन कमेटी के सदस्य गोकुल पंकज और हिमांशी मीना ने बताया की कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रतिभावान छात्र और छात्राओं का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम में आये अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। आयोजनकर्ता साजिद हुसैन, अंकित मीना, गोकुल पंकज, हिमांशी मीना ने कार्यक्रम में आये अतिथियों और छात्र छात्राओं का धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया।

1500 साला मिलादुन्नबी के मौके पर एक पेड़ हुज़ूर के गुम्बद ए ख़ज़रा के नाम

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। मिस्बाह एजुकेशनल एंड वेलफेयर संस्था की ओर से गुरुवार को दारुल उलूम अता ए रसूल, रज़ा नगर में अल नूर स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा पौधा रोपण कार्यक्रम हुआ। संस्था के अध्यक्ष फैजान उल हक ने बताया संस्था द्वारा हर साल पर्यावरण के लिए पौधा रोपण किया जाता है इस वर्ष 1500 साला मिलादुन्नबी के अवसर पर एक पेड़ हुज़ूर के गुम्बद ए ख़ज़रा के नाम से पौधा रोपण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान मदरसा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन मौलाना फजले हक़ रहे। कार्यक्रम में मिस्बाह संस्था के पदाधिकारी अफसार अली, इम्तियाज अली, आदिल अमान, वसीम पठान, सोहेल हुसैन, शहजाद हुसैन सहित अन्य लोग शामिल रहे

भाया दम्पत्ति ने किया पार्थिव शिवलिंग का रुद्राभिषेक

बारां,(रॉयल पत्रिका)। सावन मास के अवसर पर भगवान शिवजी की आराधना का दौर चल रहा है। सावन मास के भक्तिमय माहौल में महाशिवरात्रि की चैदस पर पूर्व खान एवं गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया तथा जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया द्वारा बड़ां बालाजीधाम पर विराजित शिव मंदिर में पार्थिव शिवलिंग का रूद्राभिषेक किया गया। भाया दम्पत्ति द्वारा विद्वान आचार्यो की उपस्थिति में मंत्रोच्चार के साथ 108 पाठों से पार्थिव शिवलिंग का रूद्राभिषेक करते हुए प्रदेशवासियों तथा जिलेवासियों की सुख-समृद्वि की ईष्वर से मंगल कामना की गई।

औद्योगिक विकास का सकारात्मक माहौल बनाने को सतत् प्रयास होंगे, समस्याओं को होगा त्वरित निस्तारण

-औद्योगिक विवाद एवं शिकायत निवारण तंत्र की जिला स्तरीय बैठक

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। औद्योगिक विवाद एवं शिकायत निवारण तंत्र की बैठक बुधवार को जिला कलक्टर पीयूष समारिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में औद्योगिक विकास का सकारात्मक माहौल बनाने के लिए सतत् प्रयास किए जाएंगे। उद्योगपतियों की समस्याओं का भी त्वरित समाधान किया जाएगा। उन्होंने औद्योगिक संघों से प्राप्त विद्दत, अतिक्रमण, सड़क सुधार एवं अन्य समस्याओं एवं मुद्दों को लेकर संबंधित अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली और समस्या समाधान के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने औद्योगिक संघ प्रतिनिधियों द्वारा इन्द्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र में अतिक्रमण की समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट

कराए जाने पर निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्रों में अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी वाले बोर्ड लगाए जाएं और निगरानी रखी जाए कि नए अतिक्रमण नहीं होने पाए।

स्लरी नालों में नहीं डालें, डम्पिंग यार्ड के लिए भूमि की कार्यवाई शीघ्र

औद्योगिक क्षेत्र रामगंजमंडी में स्लरी के मुद्दे पर जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि औद्योगिक इकाईयां डंपिंग यार्ड में ही स्लरी डालें। नाले आदि में यह नहीं डाली जाए जिससे बारिश के दिनों में परेशानी उत्पन्न हो। दी एसएसआई एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष गोविंद राम मित्तल, लघु उद्योग भारती अध्यक्ष कोटा इकाई अंकुर गुप्ता, एसएसआई एसोसिएशन अध्यक्ष मनोज राठी, इलेक्टॉनिक कॉम्प्लेक्स अध्यक्ष कमलदीप सिंह, हाडौती कोटा स्टोन एसोसिएशन के सुरेश मित्तल, कोटा स्टोन स्मॉल स्केल एसो. के अध्यक्ष प्रहलाद बैसला सहित विभिन्न औद्योगिक संघ पदाधिकारियों ने बैठक में अपने सुझाव एवं समस्याएं रखीं।

हरियालो राजस्थान सवाई माधोपुर में बना पर्यावरण संरक्षण का जन आंदोलन

-अब तक 8 लाख से अधिक पौधारोपण, लक्ष्य 20 लाख से अधिक वृक्ष लगाने का

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "एक पेड़ माँ के नाम" संकल्प से प्रेरित राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ हरियालो राजस्थान अभियान जिले में पर्यावरण संरक्षण का सशक्त जनआंदोलन बनता जा रहा है। जिला कलक्टर काना राम ने बताया कि जिले में विभिन्न विभागों को 20 लाख से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें अब तक 8 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं और उन्हें 'हरियालो राजस्थान' मोबाइल ऐप पर अपलोड किया गया है। अभियान के तहत नागरिक अपने परिजनों की स्मृति में पौधे लगाकर पर्यावरण के प्रति योगदान दे रहे हैं। पंचायतीराज विभाग ने अब तक 3.44 लाख, शिक्षा विभाग ने 91 हजार से अधिक, जल संसाधन विभाग ने 13 हजार 468, सार्वजनिक निर्माण विभाग ने 11 हजार 705, तथा कृषि विभाग ने 49 हजार 905 पौधे रोपित

किए हैं। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने भी 25 हजार से अधिक पौधारोपण कर डिजिटल रूप से रिकॉर्ड किया है। हरियाली तीज के अवसर पर एक ही दिन में होगा 9 लाख से अधिक पौधारोपण :- शहरी स्थानीय निकाय (नगर परिषद/पालिका) को 1 लाख 20 हजार पौधे , चिकित्सा विभाग को 80 हजार पौधे, महिला एवं बाल विकास विभाग को 20 हजार पौधे, राजिविका को 1 लाख पौधे, विद्दत को 30 हजार पौधे, जलग्रहण विभाग को 50 हजार पौधे,, खनिज विभाग को 30 हजार पौधे, पुलिस विभाग को 30 हजार पौधे, राजस्व को 30 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया। हरियाली तीज के अवसर पर 27 जुलाई को जिले में एक ही दिन में 9 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। जिलेभर में सार्वजनिक स्थलों, विद्यालय परिसरों, चिकित्सा संस्थानों, पंचायत भवनों और कार्यालय परिसरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। साथ ही, छायादार, फलदार, औषधीय और पर्यावरण-अनुकूल प्रजातियों के पौधे चिन्हित कर नियोजित रूप से रोपित किए जा रहे हैं।

ग्रीन स्वराज सम्मेलन की संयोजन समिति की बैठक हुई

मोहम्मद अली पठान

चूरू/बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। पीपल्स ग्रीन पार्टी बीकानेर के 27 जुलाई को होने वाले ग्रीन स्वराज सम्मेलन को लेकर बीकानेर के वरिष्ठ नेता अय्यूब ढूढी के नेतृत्व में आज सम्मेलन की संयोजन समिति की बैठक हुई। बैठक में सभी विधानसभाओं के प्रभारी गण और वरिष्ठ नेता सुभाष पुरोहित, सम्मेलन के संयोजक संदीप चहल, भूपेन्द्र गुर्जर, सोहन सिंह राजपुरोहित, उमर दीन खिलजी, राम रख कड़वा, तेजा राम मेघवाल, राजेन्द्र पांडे, सांवरमल जाट, गुरदीप सिंह आदि प्रभारियों ने अपनी अपनी ओर से उन्हें बताये गये कार्य पूरे करने की जानकारी से अवगत कराया। प्रदेश महासचिव और प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि ग्रीन स्वराज सम्मेलन बीकानेर के रामपुरा बाईपास रोड़ पर रामप्रताप भवन में दिन में एक बजे आरंभ होगा। हालांकि बीकानेर की सभी विधानसभाओं के कार्यकर्ता दस बजे से आना आरंभ कर देंगे। राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के एक दिन पूर्व आने की भी संभावना रहेगी। शेखावत ने बताया कि सम्मेलन को पीपल्स ग्रीन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुधांशु बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी की अध्यक्षता में होने वाले इस सम्मेलन को राष्ट्रीय महासचिव डॉ तन्मय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भंवरलाल नायक, राष्ट्रीय समिति के सदस्य सतीश नागपाल सहित अनेक नेताओं के द्वारा संबोधित किया जायेगा। सम्मेलन का संचालन अय्यूब ढूढी करेंगे, स्वागत संयोजक संदीप चहल के द्वारा किया जायेगा और धन्यवाद सुभाष पुरोहित के द्वारा ज्ञापित किया जायेगा। प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी सम्मेलन के पूर्व 25 जुलाई को बीकानेर पहुंच रहे हैं।

पाली में बाल संरक्षण विषयों पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका)जिला बाल संरक्षण इकाई, पाली द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट, पाली टीम द्वारा बुधवार को बाल लैंगिक शोषण, बाल विवाह एवं बाल श्रम की रोकथाम के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग सहायक निदेशक टीना अरोड़ा ने बताया कि यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग के आईसीडीएस परियोजना अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केन्द्र-II, हाउसिंग बोर्ड, पाली में आयोजित किया गया, जिसमें चाइल्ड हेल्पलाइन

यूनिट, पाली की टीम से अजयश्री चौहान (काउंसलर), विनय कुमार (सुपरवाइजर), मिनाक्षी एवं दिव्यांशी (केस वर्कर) द्वारा उपस्थित जनों को बाल संरक्षण संबंधी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्र की आशा सहयोगिनी मंजू, सहायिका लक्ष्मी एवं कार्यकर्ता रंजीता की उपस्थिति रही। उपस्थितजन को बाल लैंगिक शोषण, बाल विवाह एवं बाल श्रम की रोकथाम हेतु शपथ दिलवाई गई तथा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय स्तर पर बच्चों के अधिकारों की रक्षा एवं बाल संरक्षण से संबंधित विषयों पर जनसाधारण को संवेदनशील बनाना रहा।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा व पुलिस अधीक्षक जय यादव ने लिया ददरेवा मेले के आयोजन

-तैयारियों का जायजा, बैठक में दिए समुचित व्यवस्थाओं के निर्देश

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा व पुलिस अधीक्षक जय यादव ने गुरुवार को जिले के ददरेवा में आयोजित होने वाले मेले के आयोजन को लेकर तैयारियों का जायजा लिया तथा इस संबंध में ददरेवा ग्राम पंचायत कार्यालय में आयोजित बैठक में अधिकारियों व स्थानीय प्रबंधन लेकर व्यवस्थापकों को समुचित निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि ददरेवा मेले के बेहतरीन प्रबंधन के साथ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखें। मेले के दौरान श्रद्धालुओं को को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके लिए सभी अधिकारी आवश्यक तैयारियां रखें तथा समस्त गतिविधियां समयबद्ध ढंग से पूरी करें। जिला कलक्टर ने कहा कि ददरेवा मेले के दौरान बिजली, पानी, चिकित्सा सहित व्यवस्थाएं एकदम दुरुस्त रखें। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त पेयजल, बिजली, चिकित्सा, अग्निशमन, कंट्रोल रूम एवं यातायात व्यवस्था प्रबंधित की जाए।उन्होंने डिस्कॉम अधिकारियों को बिजली कटौती व ढीले तारों को ठीक कर समुचित आपूर्ति करने, सार्वजनिक निर्माण विभाग अधिकारियों को टूटी सड़कों की मरम्मत करने,

पशुपालन अधिकारियों को निराश्रित गोवंश को गौशालाओं में संधारित करने, स्थानीय प्रशासन को चल-अचल शौचालयों का प्रबंध करने, पार्किंग व्यवस्था, पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने, मूवमेंट प्लान निर्धारित करने, सुरक्षा के लिहाज से कैमरे लगवाने व नशा आदि पर प्रतिबंध लगाने सहित आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक जय यादव ने कहा कि मेले के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारी व सुरक्षाकर्मी अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओं का भी सहयोग करें। स्थानीय प्रशासन व्यवस्थाओं के लिए समुचित सहयोग करें व श्रद्धालुओं की सहायता आदि के लिए स्वयंसेवक आदि लगाएं। पुलिस अधीक्षक ने मेले से संबंधित महत्त्वपूर्ण पॉइंट्स तथा यातायात, कानून व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलक्टर व पुलिस अधीक्षक ने मेला स्थल, यात्रा रूट, प्रवेश स्थल, दुकानों के स्थान, मंदिर, पार्किंग सहित सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया व आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने गोगामेड़ी में दर्शन कर जिले व देश—प्रदेश में खुशहाली की कामना की। एसडीएम मीनू वर्मा ने मेले के दौरान विभिन्न गतिविधियों व व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर एएसपी किशोरीलाल, इस दौरान तहसीलदार धीरज झाझड़िया, बीडीओ भागीरथ, डीएसपी रोहित सांखला, एसएचओ राजेश सिहाग, सरपंच जाहिद कुरैशी सहित जनप्रतिनिधि, सभी विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, मंदिर पुजारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

उद्योग भारती जयपुर प्रांत का उघमी संपर्क अभियान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर लघु उघोग भारती जयपुर प्रांत की वर्चुअल बैठक संपन्न हुई जिसमें अध्यक्ष महेन्द्र मिश्रा ने निर्देशित किया है कि चूरू जिले की ईकाईयों में उघमियों से सम्पर्क कर वर्तमान ईकाईयों में सदस्य संख्या बढ़ाई जाये। जैसा कि उघमी संपर्क अभियान अंतर्गत 25 जुलाई से 10 अगस्त 2025 तक सदस्यता पखवाड़ा चलेगा। जिसमें वर्तमान चूरू एवं सरदारशहर ईकाई में सदस्यों की संख्या में वृद्धि करना है एवं जिले में नवीन ईकाईयों का गठन किया जाना है। इस कार्य हेतु प्रांतीय सदस्य दौलत तंवर को जिम्मेदारी दे कर सदस्यता कार्यक्रम प्रभारी नियुक्त किया है। इस कार्य को गति प्रदान करने हेतु मिश्रा स्वयं चूरू सहित शेखावाटी अंचल में तीन दिवसीय प्रवास पर रहेगें।

राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों से लेकर मानसून में प्रबंधन तक हुई समीक्षा

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आरओ मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर उम्मेदीलाल मीना, समस्त उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

बैठक में लाईट्स पोर्टल पर लंबित न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण नियमित रूप से पोर्टल पर अपडेट किया जाए। अवमानना प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही कर राज्यहित से जुडेक मामलों को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही सभी उपखंड अधिकारियों को प्रत्येक 7 दिवस में प्रकरणों की समीक्षा करने को कहा गया।

डॉ. यादव ने निर्वाचन विभाग के विशेष पुनरीक्षण अभियान को लेकर जरूरी निर्देश दिए। मानसून को ध्यान में रखते हुए जलभराव वाले क्षेत्रों की सूची तैयार कर स्थानीय स्तर पर विशेष तैयारी के लिए भी कहा गया। उन्होंने निर्देश दिए कि सोशल मीडिया के माध्यम से जन-सावधानी की अपील जारी की जाए।

जिला कलक्टर ने धारा 53 व 251 काश्तकारी अधिनियम के अंतर्गत रास्तों से संबंधित मामलों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। नामांतरण प्रकरणों को 20 दिन से कम समय में निस्तारित करने और प्राथमिक डिक्री के 60 दिन से अधिक लंबित प्रस्तावों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।

प्रत्येक उपखंड अधिकारी को एक पालना गृह सुचारू रूप से संचालित करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही पीएम किसान योजना के लाभार्थियों के फार्मर आईडी शीघ्र बनवाने और यह प्रक्रिया सीएचसी व ई-मित्र केंद्रों के माध्यम से भी संभव बनाए जाने की बात कही गई।

सम्पर्क पोर्टल व आपदा प्रबंधन की समीक्षा

राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्रकरणों के औसत निस्तारण समय को कम करने और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। घग्घर नदी में पानी की संभावित आवक को देखते हुए मौके का पूर्व निरीक्षण, जलभराव क्षेत्रों की पहचान, एन्टी-लार्वा गतिविधियां, औषधि छिड़काव, तथा आरएमआरएस की नियमित बैठकें सुनिश्चित करने को कहा गया।

राज्य सरकार की योजनाओं एवं शिविरों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों व भामाशाहों को 15 अगस्त पर सम्मानित करने के निर्देश भी जिला कलक्टर ने दिए। बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूरा करने के निर्देश देते हुए डॉ. यादव ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप प्रशासनिक कार्यवाही में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लियाकत खान वारसी करेंगे दो पहिया वाहन से 13,000 किलोमीटर की 'वंदे भारत यात्रा'

पाली, (रॉयल पत्रिका)। फॉरएवर हेल्प संस्थान के अध्यक्ष एवं वंदे भारत सेवा संस्थान के सक्रिय सदस्य, लियाकत खान वारसी (निवासी बजरंग बाड़ी, पाली) आगामी 28 सितंबर 2025 को शहीद-ए-आज़म भगत सिंह की 118वीं जयंती पर जोधपुर स्थित भगत सिंह स्मारक पर रक्तदान कर अपनी ऐतिहासिक 'वंदे भारत यात्रा' पर निकलेंगे। समाजसेवी मो यासीन सबावत ने जानकारी देते हुए बताया कि लियाकत खान वारसी इससे पूर्व भी 26,000 किलोमीटर की 'तिरंगा यात्रा' एवं 'भारत सद्भावना यात्रा' जैसी प्रेरणादायक यात्राएं पूरी कर चुके हैं। यह यात्रा 27 सितंबर की शाम पाली के मस्तान बाबा दरगाह से प्रारंभ होगी और 28 सितंबर की सुबह जोधपुर के भगत सिंह स्मारक से आधिकारिक रूप से रवाना होकर देशभर में लगभग 13,000 किलोमीटर का सफर

तय करेगी यात्रा समापन के बाद समापन जोधपुर के सर्किट हाउस स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर होगा। यात्रा का उद्देश्य देश में राष्ट्रप्रेम, युवा चेतना, रक्तदान प्रेरणा एवं एकता का संदेश फैलाना है। इस अभियान में पाली और जोधपुर की कई सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग प्राप्त होगा।

पौधरोपण से ही पर्यावरण संतुलित - करमचंदानी

पाली (रॉयल पत्रिका)। हरियालो राजस्थान अभियान के तहत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सुभाष नगर, मिल चाली में शिक्षा विभाग के अधिकारियो एवं विद्यालय प्रशासन की ओर से पौधरोपण कर उनके संरक्षण का जिम्मा दिलवाया गया।

प्रधानाध्यापिका श्रीमती नित्येश्वरी कश्यप ने बताया कि इस मोके पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा पाली दिलीप करमचंदानी ने कहा कि वर्तमान समय मे पेडो की अंधाधुध कटाई से पर्यावरण संतुलन बिगड गया है।

ऐसे मे अधिक से अधिक पौधरोपण से ही पर्यावरण को संतुलित किया सकता है। ए.सी. बी.ई.ओ धर्मेन्द्र पालरिया ने पौधरोपण के साथ ही विद्यालय स्टाफ को उनके संरक्षण की जिम्मेदारी दिलवाने का संकल्प दिलाया। अध्यापक धर्मेन्द्र सोलंकी ने बताया कि विद्यालय के समस्त विधार्थियो की टोली बनाकर प्रत्येक पौधे को प्रतिदिन पानी पिलाने से लेकर उनकी उचित सार संभाल की भी जिम्मेदारी दी गई है। जिससे कि ये पौधे वट वृक्ष के रूप मे फेल सके। इस मौके पर अंजना दैया, वंदना माथुर आदि मौजूद रहे।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 24 जुलाई से शुरू होंगे ऑनलाईन परीक्षा आवेदन

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सैकेण्डरी और सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा-2026 के लिए ऑनलाईन आवेदन करने की तिथियां घोषित कर दी है। परीक्षा के लिए 24 जुलाई से आवेदन ऑनलाईन भरे जा सकते है। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि सैकेण्डरी और सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा-2026 के लिए 24 जुलाई से आवेदन ऑनलाईन भरे जा सकते है। सामान्य परीक्षा शुल्क के साथ आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 23 अगस्त है। बैंक में शुल्क जमा कराने एवं चालान मुद्रित करने की अंतिम तिथि 30 अगस्त है। आवेदन पत्र एवं चालान नोडल केन्द्र पर जमा कराने की अंतिम तिथि 6 सितम्बर है। उन्होंने बताया कि एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क सहित आवेदन पत्र 25 अगस्त से ऑनलाईन भरे जाएंगे। यह आवेदन पत्र 10 सितम्बर तक भर सकते हैं। बैंक में शुल्क जमा कराने एवं चालान मुद्रित करने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर है। आवेदन पत्र एवं चालान नोडल केन्द्र पर जमा कराने की अंतिम तिथि 18 सितम्बर है। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालयों पर स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 11 सितम्बर से असाधारण परीक्षा शुल्क के साथ आवेदन पत्र भरे जाएंगे। इसकी अंतिम तिथि 25 सितम्बर तक हैं। बैंक में शुल्क जमा कराने एवं चालान मुद्रित करने की अंतिम तिथि 4 अक्टूबर है। इन आवेदन पत्रों एवं चालान को सीधे बोर्ड कार्यालय में जमा करवाना होगा। बोर्ड सचिव शर्मा ने बताया कि नियमित परीक्षार्थी के लिए परीक्षा शुल्क 600 रूपए, स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 650 रूपए निर्धारित है। प्रायोगिक परीक्षा शुल्क प्रति विषय 100 रूपये देय होगा। विशेष आवश्यकता वाले छात्र, दृष्टबाधित एवं दिव्यांग परीक्षार्थी, युद्ध में वीरगति को प्राप्त अथवा अपाहिज सैनिकों के पुत्र व पुत्रियां, पुलवामा हमले में शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों को परीक्षा शुल्क से मुक्त रखा गया है। इन्हें केवल टोकन शुल्क के 50 रूपए जमा कराने होंगे। उन्होंने बताया कि जिन विद्यालयों की उच्च माध्यमिक स्तर की सम्बद्धता संबंधी कार्यवाही अभी तक लम्बित है वह विद्यालय अविलम्ब कार्यवाही पूर्ण करे लेवे। कार्यवाही पूर्ण नहीं होने पर ऐसे विद्यालयों के परीक्षा आवेदन पत्र निरस्त कर दिए जाएंगें। ऑनलाईन परीक्षा आवेदन पत्र भरते से संबंधित आवश्यक निर्देश बोर्ड की वेबसाईट https://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर देख सकते है। अन्य जानकारी के लिए बोर्ड कंट्रोल रूम के दूरभाष नम्बर 0145-263866, 2632867, 2632868 पर अथवा एसीपी के दूरभाष नम्बर 0145-2627454 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला कलक्टर ने की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के कार्यों की समीक्षा

-केन्द्र व राज्य सरकार की ग्रामीण विकास की प्राथमिकताओं को समझें अधिकारी

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज से जुड़ी प्राथमिकताओं को समझते हुए सभी अधिकारी इनका प्राथमिकता से क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। इसमें किसी प्रकार लापरवाही नहीं हो। जिला कलक्टर ने बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में ग्रामीण विकास से संबंधित बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तरीय पौधाशालाओं को एक्टिव रखें। यहां छाया, पानी की व्यवस्था हो तथा अधिक से अधिक पौध तैयार हो। उन्होंने प्रत्येक पंचायत समिति में दस-दस पौधशालाओं को मॉडल के तौर पर विकसित करने के निर्देश दिए तथा कहा कि संबंधित विकास अधिकारी इनकी नियमित मॉनिटरिंग करें। वृष्णि ने ग्रामीण क्षेत्रों में फॉर्म पौंड और निजी डिग्गियों की आवश्यकता के आधार पर सर्वे करते हुए पांच अगस्त तक इनके प्रस्ताव उपलब्ध करवाने तथा 10 अगस्त तक इनकी स्वीकृति जारी करने के निर्देश दिए। पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वीकृत आवास को प्रारम्भ करवाया जाए। यहां श्रमिकों का नियोजन किया जाए तथा जियो टैग का कार्य भी प्राथमिकता से करें। उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के बारे में जाना। अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि प्रत्येक पंचायत समिति में एक आंगनबाड़ी केन्द्र को 'मॉडल' रूप में विकसित करें। यहां बच्चों के अनुकूल माहौल हो। फर्नीचर, रंग-रोगन, खेल सामग्री सहित अन्य व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से हों। उन्होंने कहा कि सर्वश्रेष्ठ आंगनबाड़ी केन्द्र को जिला स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने सांसद तथा विधायक क्षेत्र विकास निधि की समीक्षा की। विद्यालयों में चारदीवारी और शौचालय निर्माण कार्यों के बारे में जाना। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल, प्रशिक्षु आईएएस स्वाति शर्मा सहित समस्त विकास अधिकारी एवं विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

गिव अप अभियान के तहत राशन डीलर्स की बैठक आयोजित

श्रीगंगानगर, 23 जुलाई। राज्य सरकार के निर्देशानुसार ज़िला रसद अधिकारी कविता द्वारा बुधवार को गंगानगर उपखण्ड के राशन डीलर्स की नई धानमंडी स्थित ट्रेडर्स एसोसिएशन सभागार में गिव अप अभियान के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के समस्त राशन डीलर्स की बैठक हुई। इस दौरान अपात्र लोगों को स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा से 31 अगस्त तक नाम हटवाने के लिए अपील की गई ताकि वंचित पात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा में जोड़ा जा सके। श्रीमती सिहाग ने बताया कि अपात्र परिवार गिव अप करने के लिए विभाग की वेबसाइट पर ख़ुद भी आवेदन कर सकते हैं। विभाग द्वारा अपात्र लोगो को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। इसके बाद वसूली की प्रक्रिया की जाएगी। बैठक में आधार सीडिंग, ई-केवाईसी व एलपीजी ई-केवाईसी हेतु भी निर्देश दिये गये। इस अवसर पर प्रवर्तन अधिकारी श्रीमती पूजा अग्रवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने ली बैठक, लक्ष्यों के अनुसार तैयारियों की समीक्षा की

-हरियाली तीज पर फिर बने कीर्तिमान, अधिक से अधिक पौधारोपण हों

बीकानेर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार हरियाली तीज के अवसर पर रविवार को जिला मुख्यालय से लेकर गांव-गांव तक अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएं। एक बार फिर बीकानेर में सर्वाधिक पौधे लगाने के सामूहिक प्रयास हों। जिला कलक्टर ने बुधवार को पौधारोपण कार्य से जुड़े सभी विभागों की बैठक ली। इस दौरान सभी उपखण्ड स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कांफ्रेंस से जुड़े। जिला कलक्टर कि राजस्थान को हरा-भरा बनाने के लिए सरकार की पहल पर चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी अभियान 'हरियालो राजस्थान' के तहत इस वर्ष जिले में 50 लाख पौधे लगाए जाएंगे। अब तक इनमें से 9 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। सरकार के निर्देशानुसार 27 जुलाई को हरियाली तीज के अवसर पर जिले से लेकर गांव-गांव तक पौधारोपण का सघन अभियान चलाया जाएगा। इस दिन अधिक से अधिक पौधे लगाकर पुनः कीर्तिमान स्थापित किया जाए और अधिकतम लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयास हों। जिला कलक्टर ने कहा कि इसके लिए सभी विभागों को लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। इसके अनुसार पौधारोपण हो जाए, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिले से लेकर ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर तक के कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित कर ली जाए। पौधारोपण अभियान को उत्सवी माहौल में आयोजित किया जाए। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों सहित आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी हो। प्रत्येक विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी, इसकी मॉनिटरिंग करे। इस दौरान जिला कलक्टर ने विभाग वार और उपखण्ड वार आवंटित लक्ष्यों और अब तक की तैयारियों के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पौधे को 'जीओ टेग' किया जाए। स्वयंसेवी संस्थाओं और निजी क्षेत्र के लोगों को भी इसमें सम्मिलित किया जाए। बैठक में नगर निगम आयुक्त मयंक मनीष, बीकानेर विकास प्राधिकरण आयुक्त अपर्णा गुप्ता, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिला कलक्टर ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

-हरियालो राजस्थान में स्वास्थ्य विभाग निभाए अहम भूमिका

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर काफी गंभीर एवं संवेदनशील है। इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर एवं सुदृढ़ बनाने के लिए अधिकारीगण नियमित रूप से स्वास्थ्य केंद्रों की मोनिटरिंग करें और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करवाएं। ये निर्देश जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने कहा कि सुनिश्चित करें कि आमजन को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर किसी तरह की कोई परेशानी न हो। किसी कार्मिक की लापरवाही से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। बीसीएमओ व संस्थान प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी बनती है कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। आयुष्मान आरोग्य योजना पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जो संस्थान कम पैकेज बुक कर रहे हैं, वे इसमें सुधार करें। वहीं ईकेवाईसी में एक सप्ताह में सुधार करने के निर्देश दिए। जेएसवाई व आरएसवाई की समीक्षा करते हुए कहा कि लाभार्थियों के अकाउंट नंबर व अन्य दस्तावेज लें एवं सभी को लाभान्वित करवाएं। विभागीय स्तर पर इन योजनाओं में किसी का भुगतान लंबित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री दवा योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाओं की कमी नहीं होनी चाहिए। सभी प्रभारी अधिकारी संबंधित सभी केंद्रों पर दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करें। दवा वितरण केन्द्र समय पर खोलने के लिए पाबंद किया गया। जांच योजना में कहा कि जांच के अभाव में मरीज को परेशानी न हो। टीबी कार्यक्रम के तहत निक्षय पोषण योजना में वंचित लोगों के अकाउंट नंबर लेकर उन्हें लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। संस्थागत प्रसव के मामले में उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि स्टाफ नियमित रूप से केंद्र पर ठहरें, जो भी प्रशिक्षित स्टाफ प्रसव करवाने में आनाकानी करें, उन्हें नोटिस दें। नर्सिंग स्टाफ को जिला अस्पताल में प्रशिक्षण के लिए भेजें ताकि प्रसव रैफर के केस बंद हो और गर्भवती महिलाओं को नजदीकी केंद्र पर बेहतर सेवाएं मिल सकें। बैठक में परिवार कल्याण कार्यक्रम, मौसमी बीमारियों, मां वाउचर योजना, एनसीडी, एनीमिया, पीसीपीएनडीटी व अन्य स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा की गई।

जिला कलक्टर ने डांगरा ग्राम पंचायत में की रात्रि चौपाल

-रात्रि चौपाल में प्रस्तुत परिवादों को सुनकर उनका मौके पर करवाया समाधान

जालोर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने मंगलवार को डांगरा ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल कर उपस्थित ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए उनका मौके पर ही निस्तारण किया। रात्रि चौपाल के दौरान जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे के समक्ष ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटाने, विद्त व पानी की समस्या का समाधान करने सहित विभिन्न परिवाद प्रस्तुत किए जिनको जिला कलक्टर ने गंभीरतापूर्वक सुनते हुए उनका मौके पर ही निस्तारण करवाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। रात्रि चौपाल में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, डिस्कॉम व पंचायतीराज सहित विभागीय अधिकारियों ने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर जालोर उपखण्ड अधिकारी मनोज चौधरी, जालोर तहसीलदार बाबूसिंह राजपुरोहित, सायला विकास अधिकारी गौरव विश्नोई सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी व बड़ी संख्या ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

फ्लेगशिप योजनाओं के संबंध में बैठक आयोजित

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में बुधवार को वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित हुई। इसमें उपखण्ड अधिकारियों एवं विकास अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश प्रदान किए गए। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में राजस्थान सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक वीसी के माध्यम से ली गई। बैठक में जिले के सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। जिला कलक्टर ने योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति, चुनौतियों और लाभार्थियों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, कुसुम योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान, स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0, अटल ज्ञान केन्द्र, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, अटल प्रगति पथ, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, स्वच्छ भारत मिशन-शहरी, मुख्यमंत्री स्वनिधी योजना सहित कई अन्य महत्वपूर्ण फ्लैगशिप योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक योजना के लक्ष्य और उपलब्धि की गहन समीक्षा करें। उन्होंने विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा जहां योजनाओं का लाभ अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे। किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होने अधिकारियों को सक्रिय रूप से भागीदारी सुनिश्चित करने और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अधिक से अधिक परिवारों को योजना में जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। प्राप्त आवेदनों को निस्तारित कर कमेटी के पास भिजवाएं। उन्होंने कुसुम योजना घटक ए के अन्तर्गत विद्त विभाग के अधीक्षण अभियंता को समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं और चुनौतियों को भी साझा करने को कहा। उन्होंने इन समस्याओं के त्वरित समाधान और अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होने कहा कि सभी अधिकारियों को समर्पण भाव के साथ कार्य करें ताकि राजस्थान सरकार की फ्लैगशिप योजनाएं जन-जन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं। उन्होंने कहा कि उपखण्ड अधिकारी फ्लेगशिप योजनाओं की नियमित समीक्षा करेंगे। इसी प्रकार बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन को भी सुनिश्चित किया जाएगा। कर्म भूमि से मातृभूमि अभियान के अन्तर्गत चयनित स्थलों पर भी रिर्चाज संरचना बनाए। जल संरक्षण के कार्यों को पूर्ण करने पर जोर दें। अटल ज्ञान केन्द्र से संबंधित समस्त स्वीकृतियां जारी कराए।

बाल संरक्षण एवं बालिका सशक्तिकरण पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। ज़िला कलक्टर के निर्देशन में ज़िले में बालिका सशक्तिकरण, बाल संरक्षण एवं बाल श्रम उन्मूलन की दिशा में चलाए जा रहे समन्वित प्रयासों के तहत ग्राम पंचायत करवर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना एवं ज़िला स्तरीय विशिष्ट कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजित किया गया, जिसमें ज़िला प्रशासन, महिला अधिकारिता विभाग, एक्शन एड–यूनिसेफ़ के संयुक्त तत्वावधान में पंचायती राज विभाग सहित अन्य विभागों के सक्रिय समन्वय से सहभागिता रही। कार्यशाला की अध्यक्षता सरपंच दीपकला नागर द्वारा की गई। कार्यशाला में जनप्रतिनिधियों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, पंचायत एवं प्रशासनिक अधिकारियों, स्थानीय शिक्षकों, चाइल्ड राइट्स क्लब के सदस्यों एवं अन्य सामाजिक हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक भेरू प्रकाश नागर ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की भावना को सशक्त करना व यस टू स्कूल अभियान के तहत स्कूली शिक्षा से वंचित बच्चों की पहचान एवं पुनः नामांकन कर बाल हितैषी व बालिका अनुकूल ग्राम पंचायत की अवधारणा को व्यवहार में लाना हैं। इस दौरान बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक हुकमचंद जाजोरिया ने बताया कि ग्रामीण स्तर पर बाल संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने व बाल श्रम की रोकथाम हेतु ठोस रणनीति पर संवाद करते हुए पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति का विधिवत गठन किया गया, जिसमें समुदाय के विभिन्न वर्गों से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया। साथ ही, करवर को बालिका अनुकूल ग्राम पंचायत बनाने हेतु बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य व समग्र विकास के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में पॉश (कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति यौन उत्पीड़न की रोकथाम) विषय पर भी विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें अधिवक्ता व कानून परामर्शदाता अनस सिद्दीकी ने कार्यस्थलों पर महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु कानूनों और व्यवहारिक उपायों की जानकारी साझा की गई। चाइल्ड राइट्स क्लब के सदस्यों ने अपने विचारों एवं पोस्टर प्रदर्शन के माध्यम से बाल विवाह, बाल श्रम व शिक्षा के अधिकार जैसे विषयों को रेखांकित किया। कार्यशाला का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ जिसमें उपस्थित सभी प्रतिभागियों व हितधारकों ने बच्चों के अधिकारों की रक्षा हेतु सतत प्रयास करने एवं ग्राम स्तर पर बाल मैत्री वातावरण बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान उप सरपंच पंकज दाधीच, शिक्षक राम अवतार नागर ने भी बाल संरक्षण व बालिका सशक्तिकरण पर अपने विचार रखें।

उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस समारोह तैयारी को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 पूरे जिले में उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी को लेकर जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को जिला परिषद के ईडीपी सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने जिला स्तर पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की रूपरेखा, कार्यक्रम स्थल, अतिथि स्वागत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, पूर्वाभ्यास कार्यक्रम, परेड निरीक्षण, परितोषित वितरण, आवेदन, पेयजल व्यवस्था, बैठक व्यवस्था गणमान्य नागरिकों के लिए बैठक व्यवस्था, स्वतंत्रता सेनानियों की बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा पूर्व संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम राजमाता विजया राजे ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित किया जाएगा। बैठक में जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए संबंधित विभागों को दिशा निर्देश दिए कि सभी तैयारियाँ समयबद्ध एवं समन्वय के साथ की जाएँ ताकि समारोह गरिमापूर्ण एवं भव्य रूप से संपन्न हो सके। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभागीय अधिकारी गंभीरता से कार्य करें। अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़ ने सभी विभागों को संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों के आधार पर तैयारियां पूर्ण कर आयोजन को सफल बनाने की बात कही। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़, उपखंड अधिकारी डूंगरपुर सावरलाल आबसरा, एडिशनल एसपी डूंगरपुर राजीव परिहार सहित संबंधित विभागीय जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संभागीय आयुक्त ने भेड़ पालकों से संवाद कर सुनी समस्याएं

बारां, (रॉयल पत्रिका)। संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जिले में प्रवास पर आए भेड़ पालकों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुनकर आवश्यक निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने भेड़ पालकों के मवेशियों की सुरक्षा, भारी बारिश में कठिनाइयां, पेयजल, चिकित्सा सुविधाओं, और आवागमन से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भेड़ पालकों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें राहत पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। संभागीय आयुक्त ने सीएसआर के माध्यम से मौके पर ही 25 भेड़ पालकों को त्रिपाल, छाता, टिफिन बॉक्स और मेडिकल किट वितरित की, जिससे उन्हें उनके दैनिक जीवन में उपयोगी सहायता प्राप्त हो सके। सामग्री वितरण से लाभान्वित भेड़ पालकों ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में एडीएम दिवांशु शर्मा, एएसपी राजेश चौधरी, पशुपालन विभाग से संयुक्त निदेशक डॉ. सुबोध माटे, अतिरिक्त निदेशक डॉ. गणेश नारायण, उपनिदेशक डॉ. सतीशचन्द एवं डॉ. गिरिश, सीडीईओ गैंदालाल रैगर, सहित भेड़ पालक समुदाय के प्रतिनिधि मेघराज राईका एवं अन्य भेड़ पालक उपस्थित रहे।

भारी वर्षा के समय अधिकारी रहे फील्ड में- जिला कलक्टर

-मानसून के संबंध में ली समीक्षा बैठक

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में बुधवार को मानसून एवं बारिश के संबंध में वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित हुई। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता बताई। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि जिले में विभिन्न स्थानों पर पूर्व में हुई वर्षा के समय जल भराव हुआ था। इन स्थानों का चिह्नीकरण कर लें। यहां विशेष सावधानी बरतें। ऐसे स्थानों पर चिकित्सा विभाग की टीमें भेजकर एंटी लार्वा तथा एंटी एडल्ट गतिविधियां कराए। आवश्यकतानुसार फोगिंग भी करवाई जाए। पानी उतरने के पश्चात इन स्थानों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए घर-घर टीमें भेजकर उपचार करावें। उन्होंने कहा कि जल भराव वाले चिह्नीत स्थानों पर जल भराव रोकने के लिए तात्कालिक एवं दीर्घकालिक कार्य योजना बनाए। जलभराव रोकने के तात्कालिक उपाय अभी से आरंभ कर लें। आगामी बारिश के साथ ही विभिन्न दलों का सक्रिय रहने के लिए पाबंद करें। मड पम्प एवं अन्य संसाधनों को तैयार कर लें। रात्रि में कार्य करने के लिए अलग दल गठित करें। स्थानीय नियंत्रण कक्ष 24 घंटे सक्रिय रहना चाहिए।

वित्त वर्ष 2024-25 द्वितीय चरण की 185 गौशालाओं को सहायता हेतु प्रशासनिक स्वीकृति जारी

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। वित्त वर्ष 2024-25 के द्वितीय चरण माह नवम्बर, दिसम्बर- 2024 एवं जनवरी, फरवरी, मार्च 2025 (150 दिवस) की सहायता हेतु 185 गौशालाओं को सहायता हेतु प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई। पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ हीरा लाल सुनार ने बताया कि कुल 221 गौशालाओं से ऑनलाईन आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें जांच में सही पाये जाने पर 185 गौशालाओं की प्रशासनिक स्वीकृति जारी करने के लिए सहायता का अनुमोदन किया गया है। 04 गौशालाओं द्वारा गौशाला/नंदीशाला की क्षमता का 10 प्रतिशत गौवंश को रखने हेतु अपनी सहमति नहीं दिये जाने तक उनकी सहायता स्थगित रखी गई है तथा 01 गौशाला का भौतिक सत्यापन में नियमानुसार न्यूनतम 100 गौवंश से कम 36 गौवंश ही पाये जाने पर अपात्र किया गया तथा 29 गौशालाओं व 02 नंदीशालाओं की सहायता का अनुमोदन जांच के पश्चात किया जाएगा। डॉ. बीआर बायल ने बताया कि गोपालन वेब बेस्ड पोर्टल से प्राप्त ऑनलाईन प्रस्तावों में 185 गौशालाओं के छोटे 10134, बड़े 58325 कुल 68459 गौवंश के लिए 41 करोड़ 83 लाख 87 हजार 200 रुपए की सहायता का अनुमोदन किया गया है।

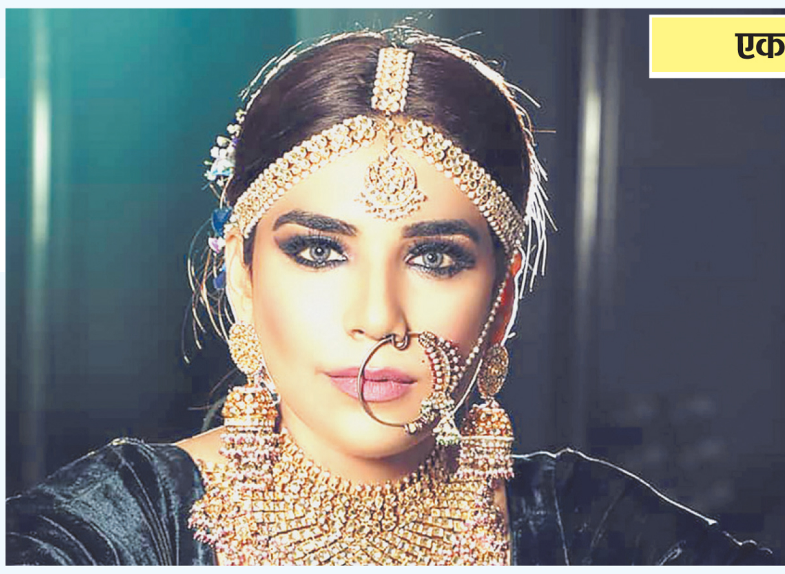

एकता कपूर संग फिर से

काम करना चाहती हैं अंजुम फाकिह

टेलीविजन अभिनेत्री अंजुम फाकिह ने फिल्म और टीवी शो निर्माता एकता कपूर के साथ दोबारा काम करने की इच्छा जताई। कुंडली भाग्य और बड़े अच्छे लगते हैं 2 जैसे एकता के लोकप्रिय शो में काम कर चुकीं अंजुम ने बताया कि वह एकता की प्रशंसक हैं। अंजुम फाकिह ने कहा कि वह हमेशा से एकता कपूर और शोभा कपूर के काम को पसंद करती हैं और उनकी फैन हैं। समाचार एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने क्योंकि सास भी कभी बहू थी के रीबूट की चर्चा पर कहा, मैं एकता, शोभा आंटी और बालाजी टेलीफिल्म्स की प्रशंसक हूं। अगर मुझे फिर से उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो जरूर हां कहूंगी। अंजुम नए रियलिटी शो छोरियां चली गांव में नजर आएंगी, जिसमें वह शहर की चकाचौंध छोड़कर गांव की सादगी भरी जिंदगी को अपनाती लड़की के रूप में दिखेंगी। शो के बारे में उन्होंने कहा, हम शहर की लड़कियां हैं। गांव की जिंदगी का अनुभव करने का मौका कौन छोड़ेगा? यह कॉन्सेप्ट बहुत नया और रोमांचक है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा शो पहले कभी देखा गया है। दर्शकों को यह देखना मजेदार लगेगा कि शहर की लड़कियां गांव में कैसे ढलती हैं। अंजुम ने बताया कि वह गांव में पैदा हुई थीं, लेकिन 15 साल से वहां नहीं गईं। अब एक नए गांव में जाना उनके लिए अनोखा अनुभव होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वहां क्या होगा, लेकिन यही उत्साह और अनिश्चितता इस शो को मजेदार बनाती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि गांव के पारंपरिक काम उनके लिए नए हैं। उन्होंने बताया, मैंने चूल्हे पर खाना बनाना या गांव के काम सिर्फ टीवी और फिल्मों में देखे हैं। मेरी दादी गर्मियों में गांव में यह सब करती थीं, लेकिन मैंने कभी कोशिश नहीं की।

बेटी के पैदा होने पर

बंदूक खरीदना चाहती थीं ऋचा

मां बनना अक्सर जिंदगी के सबसे बड़े बदलावों में से एक माना जाता है। अभिनेत्री ऋचा चड्ढा के लिए, यह बदलाव डर से शुरू हुआ था। हाल ही में अभिनेत्री ने मां बनने के अपने अनुभव और उसके बाद के बदलावों के बारे में खुलकर बात की है।

दुनिया के माहौल को लेकर ऋचा चिंतित थीं

यूट्यूब चैनल लिली सिंह से बातचीत में ऋचा ने माना कि बच्चे के जन्म पर वह डरी हुई थीं। उनके शुरुआती विचार चिंता से भरे थे। इन दिनों पूरी दुनिय में जो माहौल है उसे लेकर वह अपने बच्चे के बारे में चिंतित थीं। मां बनने के बाद उनके अंदर आए बदलावों को लेकर भी वह चिंतित थीं।

मां बनने पर पहली प्रतिक्रया डर थी

ऋचा कहा मैं थोड़ी डरी हुई थी। दुनिया में बहुत कुछ गड़बड़ चल रहा है, जलवायु परिवर्तन है, नरसंहार हो रहा है। ऐसे में क्या बच्चा पैदा करना एक अच्छा विचार है? जब आप पूरी तरह से आजाद होते हैं, तो यह सब तुरंत बदल जाता है, क्योंकि आपको एक इंसान के लिए जिम्मेदार होना पड़ता है। कम से कम पहले छह महीनों तक बच्चे के लिए खाना देने की जिम्मेदारी निभाना बड़ा काम है। मां बनने को लेकर मेरी पहली प्रतिक्रिया डर थी। मैं सोच रही थी, हे भगवान, क्या मेरी जिंदगी खत्म हो गई है?

ऋचा को आया बंदूक खरीदने का ख्याल

ऋचा को जब पता चला कि उनकी बेटी होने वाली है, तो उनका डर और भी ज्यादा बढ़ गया। उन्होंने मजाक में कहा मैंने सोचा, हम भारत में रहते हैं, मुझे बंदूक खरीदनी ही होगी। लेकिन बाद में मैंने सोचा नहीं, देखते हैं। हम उसे अपनी तरह मजबूत बनाएंगे।

ऋचा और अली ने बेटी का स्वागत किया

पिछले साल 16 जुलाई को, ऋचा चड्ढा और अली फजल ने अपनी बेटी का स्वागत किया। इस जोड़े ने बच्चे के बारे में जानकारी देते हुए कहा 16.07.24 को एक बच्ची के आगमन का एलान करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है! हमारे परिवार बेहद खुश हैं, और हम अपने शुभचिंतकों को उनके प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद देते हैं! ऋचा और फजल ने अपनी बेटी का नाम जुनेरा इदा फजल रखा है।

अनंत जोशी निभाएँगे अजेय- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी में लीड रोल

भारतीय सिनेमा के बदलते परिदृश्य में, जहाँ सशक्त कहानियाँ और प्रभावशाली अभिनय दर्शकों का ध्यान आकर्षित करते हैं, वहीं अभिनेता अनंत जोशी एक दमदार बायोपिक के साथ केंद्र में आ रहे हैं। अनंत जोशी, जिन्होंने हाल ही में 12वीं फेल जैसी हिट फिल्म में प्रीतम पांडे की भूमिका निभाकर खूब सराहना बटोरी, अब अजेय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका निभाते नजर आएँगे। 12वीं फेल में उनके प्रदर्शन ने उन्हें इस बायोपिक के लिए तैयार किया। एक ऐसे किरदार को निभाना, जो शैक्षणिक और व्यक्तिगत संघर्षों से जूझ रहा हो, ने उन्हें और भी गहराई और संवेदनशीलता से भर दिया। इस फिल्म में उनका अभिनय उनकी रेंज को दर्शाता है और उन्हें योगी आदित्यनाथ जैसे जटिल किरदार को निभाने के लिए सक्षम बनाता है। अपनी इस यात्रा पर बात करते हुए अनंत जोशी ने कहा, विधु विनोद चोपड़ा के साथ काम करना किसी फिल्म स्कूल में ट्रेनिंग लेने जैसा है। हर दिन उनके साथ सेट पर रहना एक सबक था। 12वीं फेल जैसी फिल्म करने के बाद ही मुझे लीड रोल की ज़िम्मेदारी लेने की समझ आई और हिम्मत मिली। मैं खुश हूँ कि अजेय मुझे 12वीं फेल के बाद मिली। अनंत जोशी ने धीरे-धीरे अपने अभिनय की एक मजबूत नींव बनाई है। इससे पहले वे कठल और 12वीं फेल में नजर आ चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने वेब सीरीज़ मामला लीगल है और डॉक्युमेंट्री ज़ीरो से रीस्टार्ट में भी भाग लिया, जिसमें उनके फिल्म निर्माण के अनुभवों को दर्शाया गया है। अजय फिल्म उत्तराखंड से अजय मोहन सिंह बिष्ट के योगी आदित्यनाथ बनने और फिर एक प्रमुख राजनीतिक नेता बनने की यात्रा को दिखाएगी।

शंकर: द रिवॉल्यूशनरी मैन, मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट: शिल्पा शिरोडकर

अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर जल्द ही एक नई वेब सीरीज शंकर- द रिवॉल्यूशनरी मैन में दिखेंगी। उन्होंने इस सीरीज को अपने जीवन का टर्निंग पॉइंट बताया है। समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में शिल्पा शिरोडकर ने बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें न केवल व्यक्तिगत बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी बदल दिया। शिल्पा ने कहा, मैं हमेशा से आध्यात्मिक रही हूं। मुझे नई चीजें सीखना, सुनना और ज्ञान अर्जित करना पसंद है। जब यह सीरीज मेरे पास आई, तो मुझे लगा कि यह मेरे लिए जीवन बदलने वाला पल है। मैंने सोचा कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से मुझे पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों रूप से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। सीरीज में शिल्पा, महान संत और दार्शनिक आदि शंकराचार्य की मां आरंभा की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, आदि शंकराचार्य की मां का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। आदि शंकराचार्य की मां ने उनके जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह किरदार मेरे लिए बेहद मायने रखता है। इस किरदार को जीना मेरे लिए विशेष अनुभव भरा रहा। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट में काम करना उनके लिए रोजाना सीखने के अवसर जैसा रहा, इससे उन्हें काफी कुछ नया सीखने को मिला। उन्होंने बताया, राजर्षि भूपेंद्र मोदी जी जैसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व के साथ काम करना और स्क्रिप्ट पढ़ने से लेकर सेट पर बातचीत तक, हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। यह मेरे लिए विकास का शानदार मौका है। शंकर: द रिवॉल्यूशनरी मैन आदि शंकराचार्य के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरित अपकमिंग सीरीज है। मोदी स्टूडियोज और राजर्षि भूपेंद्र मोदी ने इस सीरीज का निर्माण किया है। इस सीरीज में शिल्पा शिरोडकर के साथ अभिषेक निगम मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राजेश श्रृंगारपुरे, फरनाज शेट्टी, रति पांडे, और मनोज जोशी जैसे कलाकार भी शामिल हैं। शिल्पा शिरोडकर 90 के दशक में गोपी किशन, आंखें, और खुदा गवाह जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। शिल्पा बिग बॉस के 18वें सीजन का भी हिस्सा रहीं।

हरीश शंकर की 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ लीड रोल में नजर आएंगी राशि खन्ना

पैन इंडिया स्टार राशि खन्ना, अब आधिकारिक रूप से पवन कल्याण के साथ बहुप्रतीक्षित तेलुगु एंटरटेनर उस्ताद भगत सिंह में नजर आने वाली हैं, जिसका निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं। यह फिल्म राशी के करियर की सबसे बड़ी साउथ प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, तब से इसे लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह है।

हाल ही में मेकर्स ने राशि का पहला लुक जारी किया और सोशल मीडिया पर यह रोमांचक अपडेट साझा किया कि वह फिल्म में एक प्रमुख महिला किरदार निभा रही हैं। राशि फिल्म में श्लोका नामक एक दमदार और अहम किरदार निभा रही हैं, जो कहानी में एक नई ऊर्जा लेकर आती है और पवन कल्याण के साथ पहली बार स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी। यह सहयोग तेलुगु सिनेमा के लिए एक बड़ा सिनेमाई पल साबित होने वाला है। पोस्टर जारी होते ही राशि खन्ना के प्रशंसक खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं, वे बेसब्री से उन्हें पवन कल्याण के साथ स्क्रीन शेयर करते देखने का इंतज़ार कर रहे हैं। यह रहा मेकर्स द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किया गया पोस्ट, जिसका कैप्शन है: टीम उस्ताद भगतसिंह, एंजलिक राशि खन्ना का श्लोका के रूप में स्वागत करती है ? वह सेट पर अपनी गरिमा और आकर्षण लेकर आई हैं ?? शूटिंग शुरू। राशि फिलहाल हैदराबाद में पवन कल्याण के साथ शूटिंग कर रही हैं, जो इस महीने के अंत तक चलेगी।

निर्माताओं का लक्ष्य अगले शेड्यूल पर जाने से पहले अगस्त के पहले हफ्ते तक उनके हिस्से की शूटिंग पूरी कर लेना है। मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में श्रीलीला, प्रथिबन, केएस रविकुमार, रामकी, नवाब शाह, अविनाश (केजीएफ फेम), गौतमी, नागा महेश और टेम्पर वामसी भी अहम भूमिकाओं में हैं। उस्ताद भगत सिंह के अलावा, राशि खन्ना के पास आगे भी कई फिल्में हैं।

फिल्ममेकर करण जौहर ने ऑडियो पॉडकास्ट को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि ऑडियो पॉडकास्ट में भावनाएं बहुत गहराई से महसूस होती हैं, क्योंकि इसमें कैमरा नहीं होता, इसलिए लोग ज्यादा आराम से और खुलकर अपनी बातें शेयर कर पाते हैं। इस वजह से पॉडकास्ट एक बहुत ही निजी और भावुक माहौल बनाता है।

ऑडियो पॉडकास्ट पर बोले करण जौहर, इसमें कैमरा नहीं, इसलिए होती है सिर्फ दिल और दिमाग की बात

करण जौहर ने हाल ही में अपना ऑडियो पॉडकास्ट लिव योर बेस्ट लाइफ विद करण जौहर शुरू किया। इस बीच आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ये तरीका बहुत खास और करीब महसूस कराने वाला है। इसमें लोग बहुत आराम से बात करते हैं, जिससे सुनने वाले को ऐसा लगता है कि वो सीधे उनसे जुड़ा हुआ है। करण जौहर ने कहा, इसमें बस एक माइक्रोफोन, आप और होस्ट होते हैं। यह तरीका शो में आए मेहमानों को आरामदायक महसूस कराता है, उन्हें किसी का डर नहीं होता, और वह खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं। जब उनसे पूछा कि क्या मेहमान ऑडियो में वीडियो की तुलना में ज्यादा खुलकर अपनी बातें कहते हैं, तो करण ने बताया कि कैमरा ना होने से उनपर कोई दबाव नहीं होता। इसलिए मेहमान ज्यादा असली और सच्चे तरीके से अपनी बात कह पाते हैं। करण जौहर ने कहा, पॉडकास्ट में एक खास तरह की नजदीकी का एहसास होता है। जब भी मैं किसी मेहमान का इंटरव्यू करता हूं, तो मुझे लगता है कि उन्हें ऐसा सुरक्षित माहौल देना बहुत जरूरी है, जहां वे आराम से अपनी बात कह सकें, बिना किसी डर या जजमेंट के और उन्हें पूरा सपोर्ट मिले। पॉडकास्ट में कैमरे का दबाव नहीं होता, बस एक माइक्रोफोन, आप और होस्ट होते हैं। करण जौहर ने कहा, जब कैमरा नहीं होता तो लोग ज्यादा आराम से अपने दिल और दिमाग की बात करते हैं। इससे एक गहरा और खास रिश्ता बनता है, जो कैमरे पर नहीं बन पाता। मुझे खुशी है कि इस शो में मैंने लोगों को उनकी असली और सच्ची पहचान में देखा।

जवान दिखने के लिए एंजेलिना जोली ने कराया एंटी एजिंग ट्रीटमेंट

हॉलीवुड एक्ट्रेस एंजेलिना जोली की खूबसूरती किसी से भी छिपी नहीं है। खबरों के मुताबिक 50 साल पार कर चुकीं अभिनेत्री ने अब उम्र से कम दिखने के लिए एंटी एजिंग ट्रीटमेंट भी लिया है। हॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री एंजेलिना जोली अपनी खूबसूरती और दमदार अदाकारी के लिए हमेशा चर्चा में रही हैं। अब 50 साल की उम्र पार कर चुकीं एंजेलिना जोली के एंटी एजींग ट्रीटमेंट लेने की बात सामने आ रही है। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, एंजेलिना जोली ने जवान और खूबसूरत दिखने के लिए लेजर ट्रीटमेंट करवाया है।

एंजेलिना ने करवाया लेजर ट्रीटमेंट

इनटच वीकली की रिपोर्ट के मुताबिक एंजेलिना जोली ने जवान दिखने के लिए अपनी स्किन का लेजर ट्रीटमेंट करवाया है। हमेशा से ही वो अपनी स्किन की देखभाल को लेकर बेहद सजग रही हैं। स्किन रूटीन और समय-समय पर विशेषज्ञों की सलाह लेना उनकी आदत में रहा है। हालांकि अब खबर आ रही है कि इस बार उन्होंने स्किन के टेक्सचर को और बेहतर बनाने और फाइन लाइंस को कम करने के लिए कुछ लेजर ट्रीटमेंट्स कराए हैं। ये ट्रीटमेंट स्किन को टाइट करने और एक ही तरह की रंगत देने के लिए करवाए जाते हैं।

टिस्का चोपड़ा ने रियल एस्टेट की जगह फैशन में निवेश की बताई वजह

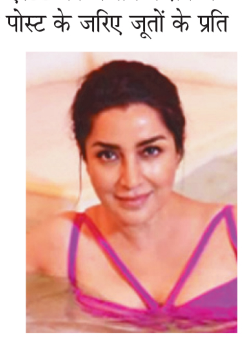

अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर बताया कि उन्होंने रियल एस्टेट की बजाय फैशन में निवेश क्यों किया। अभिनेत्री ने हालिया पोस्ट के जरिए जूतों के प्रति अपने आकर्षण को दर्शाया है। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपनी लगभग 50 जोड़ी हील्स से घिरी एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में जूतों का एक संग्रह दिखाई दे रहा है, जिसमें हील्स, सैंडल और अन्य स्टाइलिश जूते शामिल हैं। उन्होंने तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, वो कहते हैं कि मैं जूतों की बजाय रियल एस्टेट में निवेश कर सकती थी... लेकिन, आप डुप्लेक्स में नहीं घूम सकते। अभिनेत्री को आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर के कलाकारों के साथ फिल्म देखने का मौका मिला। स्पोर्ट्स कॉमेडी देखने के बाद टिस्का ने इसे 'दिल से भरा' बताया। उन्होंने फिल्म के कास्ट और क्रू के साथ तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन में लिखा, आमिर जैसा काम कोई नहीं करता।

रसेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा, कॅरियर के आखिरी मैच में खेली तूफानी पारी

एजेंसी ▶▶| जमैका

वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल क्रिकेट से रिटायर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टी20 उनके करियर का आखिरी मैच रहा, जिसमें उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बैटिंग की और गेंदबाजी भी की। रसेल ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज का दूसरा टी20 मैच उनके करियर का आखिरी मुकाबला होगा।

रसेल ने दूसरे टी20 में 240 के तूफानी स्ट्राइक रेट से 36 रनों की कैमियो पारी खेली, लेकिन रसेल अपने आखिरी मैच में वेस्टइंडीज की जीत नहीं देख पाए। आंद्रे रसेल इस मैच में तब बैटिंग करने आए जब वेस्टइंडीज का स्कोर 98/5 हो चुका था। उन्होंने आते ही तूफानी अंदाज में शॉट्स लगाने शुरू किए और अपनी 36 रनों की ताबड़तोड़ पारी में उन्होंने 2 चौके और चार छक्के लगाए। उनकी इस तूफानी पारी ने वेस्टइंडीज को 170 का स्कोर पार करने में मदद की।

रसेल ने टी20 में 240 के स्ट्राइक रेट से बनाए 36 रन

रसेल को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

आंद्रे रसेल ने अपनी रिटायरमेंट स्पीच में कहा, मैं सबीना पार्क में मौजूद लोग और वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड से मिले अवसरों का धन्यवाद करना चाहता हूं। मैं अपने घरेलू फैंस के सामने संन्यास लेकर बहुत खुश हूं, लेकिन मैच का परिणाम हमारी तरफ नहीं गया। मैं खुश हूं कि अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए इतने सारे मैच खेल पाया, सपोर्ट के लिए सभी का धन्यवाद।"

अब आगे बढ़ने का समय

रसेल ने कहा, "मुझे याद है कि हमने दो विश्व कप जीते, लेकिन लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया था। हमारी टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं। रोमारियो शेफर्ड, शेरफेन रदरफोर्ड, अल्जारी जोसेफ और जेसन होल्डर जैसे खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सबीना पार्क में अपना करियर खत्म करना अद्भुत है। नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रहा, लेकिन यही क्रिकेट का खेल है। आपने हमारा बहुत समर्थन किया है और आगे भी करते रहिएगा।"वेस्टइंडीज का यह ऑलराउंडर जब आखिरी बार मैरून रंग की जर्सी में मैदान पर उतरा, तो उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

मैच नहीं जीत पाया वेस्टइंडीज

वेस्टइंडीज की टीम एक जीत के साथ आंद्रे रसेल को विदा नहीं कर पाई। इस मैच में कैरेबियाई टीम ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 172 रन बनाए थे। रसेल की 36 रनों की तूफानी पारी के अलावा ब्रेंडन किंग ने 51 रनों की पारी खेली थी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 28 गेंद शेष रहते 8 विकेट की आसान जीत अपने नाम की। सलामी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल और मिचेल मार्श कुछ खास कमाल नहीं कर पाए, लेकिन जोश इंग्लिश 78 रन और कैमरन ग्रीन 56 रन बनाकर नाबाद लौटे।

ऐसा रहा आंद्रे रसेल का इंटरनेशनल कॅरियर

आंद्रे रसेल का इंटरनेशनल करियर देखा जाए तो उसमें उन्होंने वेस्टइंडीज टीम के लिए तीनों फॉर्मेट मिलाकर कुल 143 मुकाबले खेले, जिसमें वह 23.97 के औसत से 2158 रन बनाने में कामयाब रहे। रसेल अपने इंटरनेशनल करियर में एक भी शतकीय पारी खेलने में कामयाब नहीं हो सके, जिसमें उनके बल्ले से 7 अर्धशतकीय पारी देखने को मिली और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 92 रन था। वहीं रसेल का गेंदबाजी में रिकॉर्ड देखा जाए तो वह 32.21 के औसत से 132 विकेट लेने में कामयाब रहे। रसेल ने कुल 9 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड के अलावा एक बार प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी जीता है। इसके अलावा 2 बार आंद्रे रसेल वेस्टइंडीज टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम का भी हिस्सा रहे हैं, जिसमें उन्होंने विंडीज टीम को ट्रॉफी जितवाने में अहम भूमिका अदा की।

खबर संक्षेप

भारतीय महिला क्रिकेट ने रचा इतिहास, वनडे सीरीज पर किया कब्जा

चेस्टर ली स्ट्रीट। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड दौरे पर इतिहास रच दिया है। इस दौरान उन्होंने पहले 5 मैचों की टी20 सीरीज को 3-2 से जीता तो वहीं अब तीन मैचों की वनडे सीरीज को भी 2-1 से जीतने में कामयाब रही। इस वनडे सीरीज का आखिरी मैच 22 जुला को चेस्टर ली स्ट्रीट के मैदान पर खेला गया, जिसमें टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर की बेहतरीन शतकीय पारी के दम पर 50 ओवर्स में 5 विकेट के नुकसान पर 318 रनों का स्कोर बनाया था। जबकि टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 305 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम पहली बार इंग्लैंड को उसके घर में वनडे सीरीज में मात देने में कामयाब हुई है। इंग्लैंड महिला टीम के लिए तीसरे वनडे में टीम इंडिया की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ सबसे बड़ा खतरा बनकर उभरी। क्रांति ने इस मैच में अपने 9.5 ओवर्स में 52 रन देने के साथ 6 विकेट हासिल किए।

महिला पेशेवर गोल्फ टूर नेहा ने बनाई बढ़त

कोलार (कर्नाटक)। नेहा त्रिपाठी ने पहले दौर में तीन अंडर 69 के स्कोर से बुधवार को महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 10वें चरण में एक शॉट की बढ़त बना ली। पिछले हफ्ते नौवें चरण में उप विजेता रही नेहा ने पांच बर्डी की लेकिन वह दो बोगी भी कर गईं, जिससे उनका स्कोर तीन अंडर रहा। नेहा ने दुर्गा निट्टूर (70) पर एक शॉट की बढ़त बना रखी है। नेहा और दुर्गा के अलावा सिर्फ रिद्धिमा दिलावरी ही पार या इससे बेहतर का स्कोर बना सकीं। वह अंतिम चार होल में दो बर्डी की मदद से पार 72 का स्कोर बनाकर तीसरे स्थान पर हैं।

डीसी ओपन : एम्मा ने मार्टा को हराया, किया अगले दौर में प्रवेश

वाशिंगटन। एम्मा राडुकानू ने सातवीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्त्युक को 7-6 (4), 6-4 से हराकर डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। कोस्त्युक को इस तरह से लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा। उनकी हार का सिलसिला दो महीने से भी अधिक समय से चल रहा है। यह लगातार पांचवा टूर्नामेंट है, जिसमें वह पहले दौर में बाहर हो गईं। उन्होंने 11 मई के बाद से कोई मैच नहीं जीता है। अमेरिकी ओपन में 2021 की चैंपियन और वर्तमान में विश्व में 46वीं रैंकिंग की खिलाड़ी राडुकानू का अगला मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका से होगा।

वोक्स की यॉर्कर पैर पर लगने के बाद पंत हुए 'रिटायर्ड हर्ट'

जायसवाल-सुदर्शन के अर्धशतक भारत के चार विकेट पर 264 रन

भाषा ▶▶| मैनचेस्टर

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (58 रन) के अर्धशतक के बाद साई सुदर्शन (61 रन) ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए पचासा जड़ा जिससे भारत ने बुधवार को यहां चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन स्टंप तक चार विकेट पर 264 रन बना लिए। दिन का खेल समाप्त होने तक रविंद्र जडेजा और शारदुल ठाकुर 19-19 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए थे। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पैर में चोट लगने के कारण 'रिटायर्ड हर्ट' हो गए। आसमान में बादल छाए थे और भारतीय टीम को बल्लेबाजी का न्योता मिला जिसके बाद भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (46 रन) और जायसवाल (107 गेंद) ने 94 रन जोड़कर श्रृंखला में अपनी सर्वोच्च साझेदारी निभाई। इसके बाद सुदर्शन (151 गेंद) ने दबाव में एक जबरदस्त पारी खेली और करुण नायर पर अपने चयन को सही साबित किया।

सुदर्शन के साथ बल्लेबाजी कर रहे पंत (48 गेंद में 37 रन, रिटायर्ड हर्ट) क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स हिट से चूक गए। गेंद पंत के दाहिने पैर पर लगी जिससे उन्हें काफी दर्द हुआ और आखिरकार उन्हें गोल्फ कार्ट में मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। पैर में खून भी निकलता दिख रहा था जिससे भारतीय प्रशंसक और ड्रेसिंग रूम में सभी काफी चिंतित थे। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान विकेटकीपिंग करते समय लगी उंगली की चोट से उबरने के बाद पंत इस मैच में उतरे थे। पूरे दिन बादल छाए रहे, लेकिन धीमी पिच ने

बल्लेबाजों को जोफ्रा आर्चर की तेज रफ्तार का सामना करने के लिए पर्याप्त समय दिया। स्टोक्स लगभग इसी तरह सुदर्शन को आउट कर ही देते लेकिन जैमी स्मिथ ने लेग स्टंप पर एक सामान्य कैच छोड़ दिया जिससे इस भारतीय बल्लेबाज को जीवनदान मिला। तब वह 20 रन पर थे। उन्होंने किस्मत का फायदा उठाते हुए आर्चर की गेंद पर कुछ पुल शॉट खेले और फिर स्टोक्स की गेंद पर बैकफुट शॉट खेला।

इंग्लैंड के कप्तान ने सुदर्शन को आउट करने के लिए प्रयास जारी रखे लेकिन फिर उन्होंने शॉर्ट बॉल की रणनीति अपनायी। सुदर्शन अंत में उनकी एक गेंद को फाइन लेग पर ब्रायडन कार्स के हाथों में खेल गए। यह युवा भारतीय बल्लेबाज पारी की शुरुआत में सतर्क था, वह मिडिल और लेग स्टंप पर पिच होने वाली गेंदों पर ही रन बना रहे थे।

मैनचेस्टर में 51 साल बाद किसी भारतीय ओपनर का अर्धशतक

भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने लॉर्ड्स टेस्ट मैच में खराब प्रदर्शन के बाद मैनचेस्टर में अच्छी वापसी की और पहली पारी में इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाया। यशस्वी जायसवाल पहली पारी में काफी संभलकर खेलते नजर आए और किसी भी तरह की जल्दबाजी उन्होंने नहीं दिखाई और आखिरकार अपना अर्धशतक पूरा किया।

राहुल ने छुआ नया मुकाम

भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने इस मैच में 11 रन बनाकर एक खास उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने इंग्लैंड में 1000 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं और ऐसा करने वाले वह पांचवें भारतीय खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर-विराट कोहली जैसे दिग्गजों की लिस्ट में अपना नाम शामिल कर लिया है।

सचिन के नाम है सबसे ज्यादा रन

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की बात करें तो वहां सचिन तेंदुलकर का नाम टॉप पर है। तेंदुलकर ने अपने करियर में इंग्लैंड में 17 मैचों में 54.31 के औसत से 1575 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर राहुल द्रविड़ का नाम है। द्रविड़ ने इंग्लैंड में 13 मैचों में 68.80 के औसत से 1376 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का नाम है। इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में उनके बल्ले से 16 मैचों में 1152 रन आए थे। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली का नाम इस लिस्ट में चौथे नंबर पर है। उन्होंने इंग्लैंड में 17 मैचों में 33.21 के औसत से 1096 रन बनाए थे। वहीं मैनचेस्टर में खेले जा रहे टेस्ट मैच में 11 रन बनाकर अब केएल राहुल ने भी इंग्लैंड में 1000 रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 13 मैचों में 1008 रन बनाए हैं।

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय

सचिन तेंदुलकर	: 1575 रन
राहुल द्रविड़	: 1376 रन
सुनील गावस्कर	: 1152 रन
विराट कोहली	: 1096 रन
केएल राहुल	: 1008* रन

चाइना ओपन

सिंधू ने 62 मिनट चले कड़े मुकाबले में जापान की मियाजाकी को हराया

- सिंधू ने मियाजाकी को 21-15, 8-21, 21-17 से हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंतिम 16 में किया प्रवेश
- सात्विक-चिराग की जोड़ी की दमदार शुरुआत, जापान को हराया

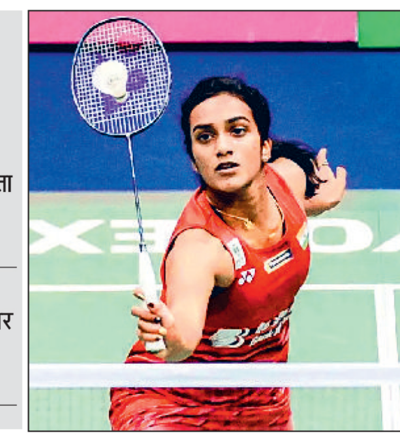

एजेंसी ▶▶| चांग्झू

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू ने बुधवार को जापान की छठी वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को 21-15, 8-21, 21-17 से हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंतिम 16 में प्रवेश किया।

सिंधू ने शानदार शुरुआत की और लगातार सात अंक लेकर पहले गेम में 13-5 की बढ़त बना ली और फिर आसानी से यह गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में मियाजाकी ने शानदार वापसी की और लगातार नौ अंक लेकर 12-8 की बढ़त बना ली। जापान की खिलाड़ी ने यह गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सिंधू ने तीसरे और निर्णायक गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और लगातार बढ़त बनाए रखकर 62 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू का सामना दूसरी बार मियाजाकी से हो रहा था। पिछले साल स्विस ओपन में वह जापानी खिलाड़ी से हार गई थीं।

सात्विक और चिराग की जोड़ी का शानदार प्रदर्शन

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व की 15वें नंबर की पुरुष युगल जोड़ी ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को केवल 31 मिनट में 21-13, 21-9 से हराकर दमदार शुरुआत की। रुतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा की महिला युगल जोड़ी हालांकि हांगकांग की नगा टिंग येउंग येउंग और पुई लाम येउंग से 31 मिनट में 12-21, 13-21 से हार गईं।

महिला यूरो टूर्नामेंट

इंग्लैंड ने इटली को हराया फाइनल में किया प्रवेश

एजेंसी ▶▶| जिनेवा

गत विजेता इंग्लैंड ने हार की कगार पर पहुंचने के बाद शानदार वापसी करते हुए इटली को 2-1 से पराजित करके महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के फाइनल में प्रवेश किया।

जब इटली की जीत सुनिश्चित लग रही थी तब मैच का पासा एकदम से पलट गया और इंग्लैंड फाइनल में पहुंचने में सफल रहा, जहां उसका सामना जर्मनी और स्पेन के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। इटली ने बारबरा बोनसी के 33वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त हासिल की, जिसे उसने निर्धारित समय के खेल के अंतिम क्षणों तक बरकरार रखा था। इटली जब जीत का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा था तब दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के छठे मिनट में मिशेल अग्येमंग ने गोल करके इंग्लैंड को बराबरी दिला दी। इससे मैच अतिरिक्त समय तक खिंच गया। इसके बाद जब लग रहा था कि मैच का फैसला पेनाल्टी शूट आउट में होगा तब इंग्लैंड ने 119वें मिनट में क्लो केली के गोल से जीत हासिल कर ली। इटली के खिलाड़ी इस हार के बाद अपनी भावनाओं को काबू में नहीं रख सकी और उनके आंसू निकल आए।

आईओए को मिलेगा नया सीईओ, अय्यर की हो सकती है नियुक्ति

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के भीतर लंबे समय से चल रहा विवाद अब खत्म होने की ओर बढ़ता दिख रहा है क्योंकि कार्यकारी परिषद के अधिकांश सदस्यों के रघुराम अय्यर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में नियुक्ति को मंजूरी देने की उम्मीद है। विरोध कर रहे कार्यकारी परिषद के इन सदस्यों ने जनवरी 2024 में आईओए अध्यक्ष पीटी उषा की ओर से की गई अय्यर की नियुक्ति को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था, जिसका मुख्य कारण सीईओ के लिए 20 लाख रुपए प्रति माह का वेतन और अन्य भत्ते थे। कार्यकारी परिषद की सितंबर 2024 में हुई बैठक में भी इसका हल नहीं निकला, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एक अधिकारी ने वर्चुअल रूप से भाग लिया था। पता चला है कि खेल मंत्रालय के आग्रह पर सुलह होने वाली है।

एआईयू ने संयुक्त सचिव सेखों को किया सस्पेंड जांच के लिए बनाई पैनल

नई दिल्ली। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) ने अपने संयुक्त सचिव बलजीत सिंह सेखों को निलंबित कर दिया है और जर्मनी के राइन-रूहर में चल रहे विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) के लिए चुने गए खिलाड़ियों के प्रतियोगिता में भाग लेने से चूकने के कुप्रबंधन की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच पैनल का गठन किया है। जांच समिति की अध्यक्षता बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति अनिल कुमार कलकल करेंगे। इससे पहले, खेल मंत्रालय ने भी इस घटनाक्रम पर संज्ञान लिया था।

छह खिलाड़ियों को भाग लेने से रोका

भारतीय बैडमिंटन टीम ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था लेकिन उस समय विवाद पैदा हो गया जब यह बात सामने आई कि 16 जुलाई को टीम मैनेजरों की बैठक के दौरान भारतीय अधिकारियों ने सभी नामों को सही ढंग से प्रस्तुत न कर पाने के कारण चुने गए 12 खिलाड़ियों में से छह को भाग लेने से रोक दिया गया था।

यूएस किड्स वर्ल्ड टीन गोल्फ चैंपियनशिप महरीन और अर्शवंत करेंगे नेतृत्व

एजेंसी ▶▶| पाइनहर्स्ट

भारत के दो किशोर गोल्फ खिलाड़ी महरीन भाटिया और अर्शवंत श्रीवास्तव इस सप्ताह उत्तरी कैरोलिना के प्रतिष्ठित पाइनहर्स्ट में होने वाली 'यूएस किड्स वर्ल्ड टीन चैंपियनशिप' में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। इस साल टूर्नामेंट में भारत के छह खिलाड़ी हैं। लड़कों की 15-18 आयु वर्ग में दो और लड़कियों की 15-18 आयु वर्ग में चार गोल्फर हैं।

महरीन 2024 चरण में तीसरे स्थान और 2023 में उपविजेता रही थीं। पिछले साल उन्होंने 2024 शुभंकर शर्मा आमंत्रण टूर्नामेंट में जीत दर्ज थी और वह 2024 में टॉमी फ्लीटवुड

इंटरनेशनल पाथवे सीरीज में दूसरे स्थान पर रहीं। पिछले साल जुलाई में उन्होंने अमेरिका में एफसीजी कॉलवे वर्ल्ड जूनियर्स भी जीता। वह फाल्डो सीरीज एशिया ग्रैंड फाइनल के शीर्ष-5 में रहीं। अर्शवंत को पिछले कुछ वर्षों में इस टूर्नामेंट का काफी अनुभव है। 2024 में उन्होंने एनसीआर कप जूनियर्स और ग्रीन्स टू ग्लोरी टूर्नामेंट में घरेलू सर्किट पर दो जीत हासिल की। वह यूएस किड्स इंडियन चैंपियनशिप में उपविजेता रहे थे। अर्शवंत के अलावा विहान जैन लड़कों के वर्ग में चुनौती पेश करेंगे जबकि लड़कियों के वर्ग में महरीन के अलावा आयशा गुप्ता, अनुष्का गुप्ता और असारा स्वाहने शामिल हैं।

नवरातिलोवा के बाद एकल मैच जीतने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनीं वीनस

वीनस ने 45 की उम्र में रचा इतिहास, बनीं टेनिस की 'आयरन लेडी'

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स ने अपने करियर में 45 साल की उम्र में एक और बड़ी उपलब्धि को हासिल की है। अब वह प्रोफेशनल सिंगल्स मैच जीतने के मामले में दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस ने 45 साल की उम्र में अपने कुछ चिर परिचित सर्व और ग्राउंडस्ट्रोक का शानदार नजारा पेश किया।

वीनस ने डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने से 22 वर्ष छोटी पीटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से हराया। वीनस से अधिक उम्र में महिला एकल का मैच केवल मार्टिना नवरातिलोवा ने जीता है। नवरातिलोवा ने आखिरी बार 2004 में 47 वर्ष की उम्र में एकल मैच में जीत हासिल की थी।

मुझे अपने खेल में सुधार करने की जरूरत

उन्होंने मैच के बाद कहा, 'जब मैं अभ्यास कर रही थी तो सोच रही थी कि हे भगवान, मुझे नहीं पता कि मैं अब भी अच्छी खिलाड़ी हूं या नहीं। फिर कुछ ऐसे मौके भी आते थे जब मुझे खुद पर भरोसा होता था। यहां तक कि पिछले सप्ताह भी मैं सोच रही थी कि मुझे अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। इसलिए यह पूरा दिमाग का खेल है।' वीनस एक साल से भी अधिक समय बाद किसी टूर्नामेंट में भाग ले रही है। इससे पहले उन्होंने युगल मैच जीतकर शानदार वापसी की थी। अब उन्होंने दो वर्षों में पहली बार एकल मैच जीता है।

मार्टिना नवरातिलोवा पहले नंबर पर काबिज

महिला टेनिस में सबसे अधिक उम्र में सिंगल्स मैच जीतने के मामले में मार्टिना नवरातिलोवा के नाम अभी रिकॉर्ड दर्ज है, जिसमें उन्होंने साल 2004 में 47 साल की उम्र में ये कारनामा किया था जब उन्होंने साल 2004 के विंबलडन में कैटालिना कास्टानो को मात दी थी। वीनस विलियम्स ने इस मुकाबले में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद दिए बयान में कहा कि यह पहला कदम है। पहला मैच हमेशा बेहद मुश्किल होता है। लंबे ब्रेक के बाद वापसी करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। इसे बयां करना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा कि मैच में उतरते समय मुझे पता था कि मेरे पास जीतने की क्षमता है, लेकिन मुझे इसे साबित करने के लिए जीतकर दिखाना था। इसलिए अच्छा खेलना और जीतना सबसे बेहतरीन है।

कर्नाटक में फर्जी वोटर घोटाले का आरोप: राहुल बोले, चुनाव आयोग ने की धोखाधड़ी

-हजारों बोगस वोट जोड़े, हमारे पास 100% सबूत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक में हुए हालिया विधानसभा उपचुनाव और वोटर लिस्ट को लेकर चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया है। राहुल का कहना है कि कर्नाटक में हजारों फर्जी वोटर जोड़े गए हैं और यह पूरी प्रक्रिया सुनियोजित तरीके से की गई है। उन्होंने कहा कि हमारे पास इसके 100% सबूत हैं और जो लोग यह सोच रहे हैं कि वह इस धोखाधड़ी के बाद भी बच जाएंगे, वह गलतफहमी में न रहें। राहुल गांधी ने बेंगलुरु में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी के पास फर्जी वोटर जोड़ने से जुड़ी वीडियो, दस्तावेज और नामों की पूरी लिस्ट है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से हजारों बोगस वोटर जोड़े गए ताकि चुनाव परिणामों को प्रभावित किया जा सके। राहुल ने कहा, "यह लोकतंत्र पर हमला है। जनता को धोखा दिया गया है, और हमें इसे पूरी ताकत से उजागर करना है।"

'चुनाव आयोग पर कार्रवाई की मांग'

राहुल गांधी ने मांग की कि चुनाव आयोग को इस मामले की निष्पक्ष जांच कर फर्जी वोटर हटाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर चुनाव आयोग ने इस पर समय रहते कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस सड़क पर उतर कर इसका विरोध करेगी और इसे अदालत में भी ले जाएगी। राहुल ने कहा कि वह कर्नाटक के लोगों के वोट की रक्षा के लिए कोई भी कदम उठाने से पीछे नहीं हटेंगे।

'हमारे पास सबूत हैं'

राहुल गांधी ने कहा, "मैं जो कह रहा हूं, वह हवा में नहीं कह रहा हूं। हमारे पास इस पूरे घोटाले से जुड़े दस्तावेजी सबूत, वोटर लिस्ट में बदलाव का रिकॉर्ड, और उन अधिकारियों के नाम हैं, जिन्होंने इस काम में सहयोग किया। हम जल्द ही यह सबूत जनता के सामने और अदालत में पेश करेंगे।" उन्होंने कहा कि कर्नाटक में हजारों नाम ऐसे हैं, जो या तो मृतकों के नाम पर जोड़े गए हैं, या फिर एक ही व्यक्ति के कई बार नाम अलग-अलग जगहों पर दर्ज हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में ऐसे नाम जोड़े गए हैं, जिनके पते और दस्तावेज फर्जी हैं।

'भाजपा सरकार पर निशाना'

राहुल गांधी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब जनता से सीधे मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं, तब भाजपा चुनाव जीतने के लिए हर तरह की चालबाजी और बेईमानी का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई को लेकर जनता में नाराजगी है, और भाजपा इन मुद्दों पर चुनाव जीत नहीं सकती, इसलिए वह फर्जी वोटिंग करवा कर जीतने की कोशिश कर रही है।

'कर्नाटक की जनता की जीत होगी'

राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा, "हम कर्नाटक की जनता के अधिकार की रक्षा करेंगे। चाहे इसके लिए हमें कितनी भी लंबी कानूनी लड़ाई क्यों न लड़नी पड़े। यह लड़ाई सिर्फ कांग्रेस की नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की लड़ाई है।" उन्होंने कहा कि कर्नाटक में हाल ही में हुए चुनावों में कांग्रेस की स्थिति मजबूत हुई है और भाजपा इससे घबराई हुई है, इसलिए अब फर्जी वोटर जोड़ने और वोटिंग में हेरफेर की कोशिशें हो रही हैं।

'चुनाव आयोग को निष्पक्ष रहना होगा'

राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग को अपनी निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, "चुनाव आयोग का काम फ्री एंड फेयर इलेक्शन कराना है, न कि किसी पार्टी के लिए काम करना। अगर आयोग अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहता है, तो यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक होगा।"

'कार्यकर्ताओं से अपील'

राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे बूथ स्तर पर नजर बनाए रखें और किसी भी फर्जी वोटिंग की सूचना तुरंत पार्टी और स्थानीय अधिकारियों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि "अगर हम सतर्क रहेंगे, तो यह साजिश कामयाब नहीं होगी और कर्नाटक की जनता का असली जनादेश सामने आएगा।"

'हम डरने वाले नहीं'

राहुल गांधी ने कहा, "चाहे कितनी भी जांच और केस हमारे ऊपर कर दिए जाएं, हम पीछे हटने वाले नहीं हैं। यह देश संविधान से चलता है, किसी पार्टी की मर्जी से नहीं। जनता की ताकत सबसे बड़ी ताकत है और हम उसी पर भरोसा करते हैं।"

राहुल गांधी के इस बयान के बाद कर्नाटक की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। अब देखना यह होगा कि चुनाव आयोग इस पर क्या कदम उठाता है और भाजपा इस पर क्या जवाब देती है। फिलहाल, कांग्रेस का दावा है कि जल्द ही वह अपने पास मौजूद सबूतों को सार्वजनिक करेगी और इस मुद्दे को पूरे देश में उठाएगी।

यदि आप चाहें तो इस पर एक विश्लेषणात्मक कॉलम भी तैयार कर सकता हूं, जिससे पाठकों को यह समझने में मदद मिले कि फर्जी वोटिंग का मुद्दा भारतीय लोकतंत्र के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है। बताइए यदि इसके लिए भी चाहेंगे।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस में नया मोड़: सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

-फिलहाल आरोपियों को दोबारा जेल नहीं भेजा जाएगा

नई दिल्ली/मुंबई। मुंबई में 2006 में हुए सीरियल ट्रेन ब्लास्ट केस में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के हालिया फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है। तीन दिन पहले हाईकोर्ट ने इस केस में बरी किए गए 12 आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा बहाल कर दी थी। इसके बाद सभी आरोपियों को फिर से जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि फिलहाल इन 12 आरोपियों को दोबारा जेल भेजना जरूरी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।महाराष्ट्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा, बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से आरोपियों की जेल से रिहाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ट्रेन ब्लास्ट केस में 13 लोग आरोपी थे। 12 सभी रिहा हो गए हैं। एक आरोपी की मौत हो गई है।

19 साल पहले सीरियल ब्लास्ट में 189 लोग मारे गए थे

11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र राज्य की ओर से सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता पेश हुए।

तुषार मेहता: फैसले के बाद जेल से रिहा हुए आरोपियों को सरेंडर करने का निर्देश देने का अनुरोध नहीं कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि फैसले पर रोक लगाई जाए। सुप्रीम कोर्ट बेंच: 'हमें सूचित किया गया है कि सभी आरोपियों को रिहा कर दिया गया है। ऐसे में उन्हें वापस जेल भेजने का कोई सवाल नहीं उठता। SG की गई दलीलों को ध्यान में रखते हुए, हम यह मानने के लिए इच्छुक हैं कि विवादित फैसले को मिसाल (नजीर) नहीं माना जाएगा। विवादित फैसले पर रोक लगाई जाती है।'

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला था- सरकारी वकील केस साबित करने में नाकाम

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (MCACO) की विशेष अदालत का फैसले खारिज कर दिया था। निचली अदालत ने बम विस्फोट की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के लिए 5 आरोपियों को मौत की सजा और 7 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि प्रॉसीक्यूशन यानी सरकारी वकील आरोपियों के खिलाफ केस साबित करने में नाकाम रहे। यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है। इस वजह से उन्हें बरी किया जाता है। अगर वे किसी दूसरे मामले में वॉन्टेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए।

फैसले के दिन 2 आरोपी जेल से रिहा हुए थे

बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद 21 जुलाई की शाम 12 में से दो आरोपियों को नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया था। पहले आरोपी एहतेशाम सिद्दीकी को 2015 में निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। वहीं, दूसरा आरोपी मोहम्मद अली उम्रकैद की सजा काट रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि 12 लोगों में शामिल नवीद खान अभी नागपुर जेल में ही रहेगा, क्योंकि वह हत्या के प्रयास के एक मामले में विचाराधीन कैदी है।

7 लोकल के फर्स्ट क्लास डिब्बों में प्रेशर कुकर से हुए थे ब्लास्ट

मुंबई में 11 जुलाई 2006 को शाम 6 बजकर 24 मिनट से लेकर 6 बजकर 35 मिनट के बीच एक के बाद एक सात ब्लास्ट हुए थे। ये सभी ब्लास्ट मुंबई के पश्चिम रेलवे पर लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास कम्पार्टमेंट में करवाए गए थे। खार, बांद्रा, जोगेश्वरी, माहिम, बोरीवली, माटुंगा और मीरा-भायंदर रेलवे स्टेशनों के पास ये ब्लास्ट हुए थे। ट्रेनों में लगाए गए बम RDX, अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल ऑयल और कीलों से बनाए गए थे, जिसे सात प्रेशर कुकर में रखकर टाइमर के जरिए उड़ाया गया था।

2006 में 13 आरोपी पकड़े गए थे, 5 को फांसी की सजा, एक बरी हुआ

एंटी टेररिज्म स्क्वैड ने 20 जुलाई, 2006 से 3 अक्टूबर, 2006 के बीच आरोपियों को गिरफ्तार किया। उसी साल नवंबर में आरोपियों ने कोर्ट को लिखित में जानकारी दी कि उनसे जबरन इकबालिया बयान लिए गए। चार्जशीट में 30 आरोपी बनाए गए। इनमें से 13 की पहचान पाकिस्तानी नागरिकों के तौर पर हुई। करीब 9 साल तक केस चलने के बाद स्पेशल मकोका कोर्ट ने 11 सितंबर 2015 को फैसला सुनाया था। कोर्ट ने 13 आरोपियों में से 5 दोषियों को फांसी की सजा, 7 को उम्रकैद की सजा और एक आरोपी को बरी कर दिया था।

2016 में आरोपियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया, 9 साल केस चला

2016 में आरोपियों ने इस फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी और अपील दायर की। 2019 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपीलों पर सुनवाई शुरू की।

अनिल अंबानी की 50 कंपनियों पर ED की छापेमारी: ₹3000 करोड़ लोन फ्रॉड

-यस बैंक से लिए पैसों के दुरुपयोग की जांच

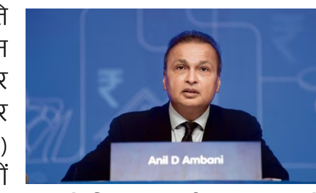

मुंबई। देश के बड़े उद्योगपति और रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी एक बार फिर जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने उनकी करीब 50 कंपनियों पर छापेमारी की है। मामला ₹3000 करोड़ के लोन फ्रॉड और यस बैंक से लिए गए पैसों के गलत इस्तेमाल से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। ED की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत की गई है।

क्या है पूरा मामला?

यस बैंक संकट के समय अनिल अंबानी की रिलायंस ग्रुप की कंपनियों पर यस बैंक से ₹3000 करोड़ से ज्यादा लोन लेने और उस पैसे के दुरुपयोग का आरोप लगा था। बैंक ने आरोप लगाया था कि लोन की रकम का इस्तेमाल जिस उद्देश्य से लिया गया, उसके बजाय अन्य कंपनियों में घुमाने और दूसरे कामों में खर्च कर दिया गया। बाद में ये लोन NPA में बदल गए, जिससे बैंक को भारी नुकसान हुआ।

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें करीब 50 कंपनियों शामिल है। 25 से ज्यादा लोगों से भी पूछताछ की गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यस बैंक से लिए 3000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में गुरुवार, 24 जुलाई को की गई ये रेड दिल्ली और मुंबई में चल रही है। ये छापेमारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) की धारा 17 के तहत की जा रही है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, ये कार्रवाई CBI की ओर से दर्ज दो FIR और सेबी, नेशनल हाउसिंग बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (NFRA) जैसी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई है।

सवाल 1: अनिल अंबानी के ग्रुप के खिलाफ ED ने कार्रवाई क्यों की है?

जवाब: मामला 2017 से 2019 के बीच यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी से जुड़े रिलायंस ग्रुप की कंपनियों को दिए गए करीब 3,000 करोड़ रुपए के लोन से जुड़ा है।

ED की शुरुआती जांच में पता चला है कि इन लोन्स को कथित तौर पर फर्जी कंपनियों और ग्रुप की अन्य इकाइयों में डायवर्ट किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि यस बैंक के बड़े अधिकारियों को शायद रिश्वत दी गई है।

सवाल 2: ED की जांच में और क्या-क्या सामने आया?

जवाब: ED का कहना है कि ये एक "सोचा-समझा और सुनियोजित" प्लान था, जिसके तहत बैंकों, शेयरहोल्डर्स, निवेशकों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को गलत जानकारी देकर पैसे हड़पे गए। जांच में कई गड़बड़ियां पकड़ी गईं, जैसे:

कमजोर या बिना वेरिफिकेशन वाली कंपनियों को लोन।

कई कंपनियों में एक ही डायरेक्टर और एड्रेस का इस्तेमाल।

लोन से जुड़े जरूरी दस्तावेजों का न होना।

फर्जी कंपनियों में पैसे ट्रांसफर करना।

पुराने लोन चुकाने के लिए नए लोन देने की प्रक्रिया (लोन एवरग्रीनिंग)।

सवाल 3: इस मामले में CBI की क्या भूमिका है?

जवाब: CBI ने दो मामलों में FIR दर्ज की थी। ये मामले यस बैंक द्वारा रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड को दिए गए दो अलग-अलग लोन से जुड़े हैं। दोनों ही मामलों में CBI ने यस बैंक के पूर्व CEO राणा कपूर का नाम लिया था।

इसके बाद एक अधिकारी ने बताया कि नेशनल हाउसिंग बैंक, सेबी, नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसी अन्य एजेंसियों और संस्थानों ने भी ED के साथ जानकारी साझा की। अब ED इस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टेकऑफ से पहले एअर इंडिया एक्सप्रेस में तकनीकी खराबी

-मुंबई जा रही फ्लाइट रोकी गई, 180 यात्री सुरक्षित

मुंबई। दिल्ली एयरपोर्ट पर बुधवार शाम मुंबई जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्लेन में टेकऑफ से पहले तकनीकी खराबी आ गई। एयरलाइन ने यात्रियों को दूसरे प्लेन में शिफ्ट कर मुंबई रवाना किया। प्लेन में लगभग 160 यात्री सवार थे। एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि फ्लाइट के क्रू को प्लेन में छोटी तकनीकी समस्या दिखी थी। इसके चलते प्लेन का टेकऑफ रोका गया। यह निर्णय यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया। वहीं, ANI सूत्रों के मुताबिक, कॉकपिट में स्पीड दिखाने वाली स्क्रीन में खराबी आ गई थी, जिसे देखकर पायलट ने तत्काल उड़ान रद्द करने का निर्णय लिया। इससे पहले बुधवार को ही अहमदाबाद से दीव जा रही इंडिगो की फ्लाइट ATR76 के इंजन में उड़ान भरने से ठीक पहले आग लग गई। इसके बाद तुरंत सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फ्लाइट में 60 पैसेंजर थे। घटना की जांच जारी है।दिल्ली एयरपोर्ट से मुंबई जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में टेकऑफ से ठीक पहले तकनीकी खराबी आने के कारण फ्लाइट को रोक दिया गया। घटना बुधवार सुबह करीब 6:40 बजे की है जब फ्लाइट ने रनवे पर टेकऑफ की तैयारी की, लेकिन उस दौरान पायलट को कॉकपिट में स्पीड दिखाने वाली स्क्रीन (इंडिकेटर) बंद दिखाई दी। सुरक्षा कारणों से तुरंत टेकऑफ की प्रक्रिया रोक दी गई और फ्लाइट को टैक्सी-बैक कराकर पार्किंग बे पर वापस लाया गया।

क्या हुआ था टेकऑफ से पहले?

फ्लाइट को निर्धारित समय पर सुबह 6:35 बजे टेकऑफ करना था। जैसे ही फ्लाइट रनवे की ओर बढ़ी और टेकऑफ के लिए लाइन में आई, पायलट ने नोटिस किया कि स्पीड इंडिकेटर स्क्रीन अचानक बंद हो गई। एयरक्राफ्ट में स्पीड इंडिकेटर सिस्टम पायलट को रनवे पर स्पीड और टेकऑफ के लिए आवश्यक गति दिखाता है, इसके बिना टेकऑफ करना बेहद जोखिम भरा हो सकता है। पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को सूचना दी और फ्लाइट को रोक दिया गया।

यात्रियों की सुरक्षा प्राथमिकता पर रही

फ्लाइट में लगभग 180 यात्री सवार थे। अचानक फ्लाइट रुकने पर यात्रियों में थोड़ी घबराहट जरूर हुई, लेकिन क्रू मेंबर्स ने यात्रियों को शांत रखा और बताया कि तकनीकी जांच के बाद ही फ्लाइट को उड़ान की अनुमति दी जाएगी। फ्लाइट को रनवे से हटाकर पार्किंग पर लाया गया, जहां इंजीनियरिंग टीम ने तुरंत जांच शुरू की।

क्या बताया एयर इंडिया एक्सप्रेस ने?

एअर इंडिया एक्सप्रेस ने बयान जारी कर बताया: "दिल्ली-मुंबई फ्लाइट में टेकऑफ से पहले स्पीड इंडिकेटर की स्क्रीन बंद होने की सूचना मिलने पर सुरक्षा प्रक्रिया के तहत उड़ान को रोक दिया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं। एयरलाइन की इंजीनियरिंग टीम द्वारा समस्या की जांच की जा रही है और जल्द समाधान कर उड़ान को फिर शुरू किया जाएगा।"

फ्लाइट में देरी, यात्रियों को हुई परेशानी

इस खराबी के कारण फ्लाइट में कम से कम 3 घंटे की देरी हो गई। कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर भी शिकायत की कि उन्हें सूचना समय पर नहीं दी गई, जबकि कुछ ने क्रू के धैर्य और समझदारी की तारीफ भी की। एयरलाइन की ओर से यात्रियों को पानी और स्नैक्स वितरित कराए गए और एयरपोर्ट पर बैठने की व्यवस्था की गई।

स्पीड इंडिकेटर क्यों है जरूरी?

स्पीड इंडिकेटर या एयरस्पीड इंडिकेटर किसी भी फ्लाइट के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपकरणों में शामिल है। टेकऑफ के दौरान पायलट को यह जानना जरूरी होता है कि विमान ने टेकऑफ के लिए आवश्यक गति प्राप्त कर ली है या नहीं। अगर यह इंडिकेटर काम नहीं कर रहा हो, तो टेकऑफ के समय दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। इसी वजह से पायलट ने उड़ान रोकने का फैसला लिया, जो कि सुरक्षा मानकों के अनुरूप सही कदम था।

तकनीकी खराबियां नई बात नहीं, पर सुरक्षा जरूरी

फ्लाइट में तकनीकी खराबियां आना कोई नई बात नहीं है। अक्सर सेंसर्स, स्क्रीन, हाइड्रोलिक सिस्टम या अन्य उपकरणों में छोटी-मोटी खराबी आने पर उड़ान से पहले रोक कर जांच की जाती है। एयरलाइंस की SOP (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) के अनुसार टेकऑफ से पहले सभी तकनीकी पहलुओं की जांच जरूरी होती है।

यूक्रेन में जेलेंस्की के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

-नया कानून लाकर भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों की आजादी छीनी

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव और अन्य बड़े शहरों में राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के खिलाफ हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं। इन प्रदर्शनों की वजह जेलेंस्की द्वारा लाया गया एक नया कानून है, जिससे भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों की स्वतंत्रता सीमित कर दी गई है। विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि यह कानून यूक्रेन के लोकतांत्रिक ढांचे और पारदर्शिता के खिलाफ है और युद्ध के बीच सरकार को मनमानी का अधिकार दे देगा। रूस-यूक्रेन युद्ध के 3 साल बाद पहली बार यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई शहरों में राष्ट्रपति जेलेंस्की के खिलाफ आम जनता और सैनिक सड़कों पर उतर आए।

यूक्रेन की संसद ने हाल ही में एक कानून पास किया है, जिसके तहत 2 प्रमुख भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं, नेशनल एंटी-करप्शन ब्यूरो ऑफ यूक्रेन (NABU) और स्पेशलाइज्ड एंटी-करप्शन प्रोसिक्यूटर ऑफिस (SAPO) पर निगरानी बढ़ाई जाएगी। आलोचकों का कहना है कि यह कानून इन संस्थाओं की आजादी छीन लेगा और राष्ट्रपति जेलेंस्की के नियुक्त किए गए अटॉर्नी जनरल को जांच का नियंत्रण देगा। इस फैसले से पारदर्शिता, लोकतंत्र और युद्ध के मूल उद्देश्यों को आघात पहुंचा है।

यूरोपीय संघ और G-7 देशों ने आलोचना की

कई घायल सैनिकों ने इसे मोर्चे पर लड़ रहे जवानों के साथ विश्वासघात बताया। इस कदम की यूरोपीय संघ और जी-7 देशों ने भी आलोचना की है, जिससे यूक्रेन की EU सदस्यता की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। यूक्रेन के लिए भ्रष्टाचार से लड़ना अहम है, क्योंकि यह यूरोपीय संघ में शामिल होने और पश्चिमी देशों से मिल रही अरबों डॉलर की मदद को बनाए रखने के लिए जरूरी है। इस कानून के पास होने से यूक्रेन में लोगों में गुस्सा है। कई लोगों का कहना है कि रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों से ज्यादा यह कानून नैतिक रूप से बड़ा झटका है। जेलेंस्की ने कहा- भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए जरूरी कानून को लेकर राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि करोड़ों डॉलर की भ्रष्टाचार जांचें लंबित थीं और एजेंसियों की जवाबदेही तय करना जरूरी हो गया था। देश में भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए यह जरुरी है।

यूक्रेन सरकार ने कहा है कि युद्ध के दौरान यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी था। सरकार का कहना है है कि इन एजेंसियों में रूसी खुफिया एजेंसियों की घुसपैठ हो चुकी थी, इसलिए उन्हें अटॉर्नी जनरल के अधीन लाना जरूरी हो गया।

विपक्ष- एजेंसियों पर काबू चाहते हैं जेलेंस्की यूक्रेनी विपक्ष ने फैसले पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका आरोप है कि यह कानून 'लोकतंत्र को कमजोर करने और पूरी सत्ता को जेलेंस्की के कब्जे में लाने की कोशिश' है। उनका कहना है कि पहले ही रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते 3 साल से जेलेंस्की चुनाव नहीं करा रहे रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ने आरोप लगाया कि जेलेंस्की युद्ध का बहाना बनाकर चुनाव नहीं करा रहे और सत्ता में बने रहने की कोशिश कर रहे हैं।

दोनों संस्थाओं ने बयान जारी किया नए कानून को लेकर दोनों संस्थाओं ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'अगर यह कानून लागू हुआ, तो SAPO का प्रमुख सिर्फ नाम का रह जाएगा, और NABU अपनी आजादी खोकर प्रॉसिक्यूटर जनरल के ऑफिस का हिस्सा बन जाएगा।' यूरोपीय संघ की विस्तार आयुक्त मार्टा कोस ने इस कानून पर चिंता जताई। उन्होंने X पर लिखा, 'यह कदम यूक्रेन को पीछे ले जाएगा है। NABU और SAPO जैसी स्वतंत्र संस्थाएं यूक्रेन के EU में शामिल होने के रास्ते के लिए बहुत जरूरी हैं। कानून का शासन EU में शामिल होने की शर्तों के केंद्र में है।'

क्या है नया कानून?

जेलेंस्की सरकार ने संसद में एक संशोधन पास कराया है, जिसके तहत भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी नेशनल एंटी करप्शन ब्यूरो ऑफ यूक्रेन (NABU) और नेशनल एंटी करप्शन कमिटी की नियुक्तियों और उनके ऑपरेशन पर राष्ट्रपति और उनके मंत्रिमंडल का नियंत्रण बढ़ जाएगा। पहले इन एजेंसियों के प्रमुख और जांच प्रक्रिया में संसद और स्वतंत्र निकायों की सलाह ली जाती थी, लेकिन नए कानून में इसे खत्म कर सीधे कार्यपालिका के अधीन कर दिया गया है।

सरकार का तर्क है कि युद्ध के हालात में निर्णय तेजी से लेने और सुरक्षा कारणों से ऐसा किया गया है, ताकि एजेंसियां रूस समर्थित तत्वों के खिलाफ और प्रभावी कार्रवाई कर सकें। लेकिन एक्टिविस्ट्स और विपक्षी नेताओं का कहना है कि सरकार इस कानून के जरिए अपने विरोधियों और मीडिया पर कार्रवाई करने की आजादी चाहती है।

रूस का पैसेंजर प्लेन चीन की सीमा पर लापता

-कंट्रोल रूम से संपर्क टूटा, 50 यात्री सवार, तलाश जारी

मास्को। रूस में एक बड़ा हवाई हादसा होने की आशंका जताई जा रही है। रूस का एक पैसेंजर प्लेन, जिसमें 50 यात्री सवार थे, चीन की सीमा के नजदीक लापता हो गया है। इस विमान का कंट्रोल रूम से संपर्क अचानक टूट गया, जिसके बाद पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है।रूस का एक यात्री विमान एयर ट्रैफिक कंट्रोल रूम से संपर्क टूटने के बाद गायब हो गया है। रायटर्स के मुताबिक ये विमान रूस के पूर्वी अमूर क्षेत्र में उड़ रहा था। इस An-24 विमान में लगभग 50 यात्री सवार थे। इस इलाके के गर्वनर ने बताया कि विमान की तलाश की जा रही है। लोकल इमरजेंसी मिनिस्ट्री ने बताया कि विमान खाबरोवस्क, ब्लागोवेशचेंस्क होते हुए टिंडा जा रहा था। यह चीन की सीमा के पास है। टिंडा पहुंचने से पहले वह रडार से गायब हो गया और उसका संपर्क टूट गया।

दूसरी बार लैंडिंग की कोशिश में गायब

अमूर के गवर्नर वासिली ओरलोव ने टेलीग्राम पर बताया कि लापता विमान अंगारा एयरलाइंस का है। इसमें 43 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। यात्रियों में 5 बच्चे भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि विमान की तलाश के लिए सभी जरूरी संसाधन और टीमें तैनात कर दी गई हैं। इंटरफैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, विमान पहले टिंडा एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश में नाकामयाब रहा। जब उसने दूसरी बार लैंडिंग की कोशिश की, तभी वह रडार से गायब हो गया। तास समाचार एजेंसी ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि यह विमान टिंडा एयरपोर्ट से कुछ किलोमीटर पहले एक तय चेकपॉइंट पर भी संपर्क नहीं कर पाया। टिंडा शहर रूस की राजधानी मॉस्को से करीब 6,600 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित है।

पिछले साल भी अमूर में हवाई हादसा हुआ था

गौरतलब है कि अमूर इलाके में पिछले साल सितंबर में भी एक हादसा हुआ था। तब 3 लोगों को लेकर उड़ रहा एक रॉबिन्सन R66 हेलीकॉप्टर उड़ान के दौरान लापता हो गया था। इस हेलिकॉप्टर को उड़ान की अनुमति नहीं मिली थी। इमरजेंसी सिग्नल मिलने के एक दिन बाद टोही दलों ने सुबह जोलोटोया गोरा के पास इसका पता लगा। इसमें एक पायलट समेत तीनों लोग मारे गए थे।

उड़ान के दौरान टूटा संपर्क

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह विमान रूस के खाबरोवस्क क्षेत्र से उड़ान भरने के कुछ घंटों बाद रडार से गायब हो गया। यह इलाका चीन की सीमा के बहुत पास है और पहाड़ी और घने जंगलों से घिरा हुआ क्षेत्र माना जाता है। कंट्रोल रूम ने आखिरी बार विमान से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद अधिकारियों ने अलर्ट जारी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

कठिन इलाके में हो रही है तलाश

रूस की इमरजेंसी सेवाओं और सेना की टीमें इस विमान की तलाश कर रही हैं, लेकिन जिस इलाके में यह विमान गायब हुआ है, वहां ऊंची पहाड़ियां, घने जंगल और नदियां हैं, जिससे सर्च ऑपरेशन में कठिनाई आ रही है। इलाके में मौसम भी खराब बताया जा रहा है, जिसकी वजह से हेलीकॉप्टर और ड्रोन से भी तलाश में रुकावट आ रही है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,